सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh
YouTube

Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.parivahanvishesh.com

परिवहन विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

वर्ष 01, अंक 183, नई दिल्ली

शुक्रवार, 15 सितम्बर 2023, मूल्य ₹ 5, पेज 8

आज का सुविचार

शतरंज का एक नियम बहुत ही उमदा है, चाल कोई भी चलो पर अपनों को नहीं मार सकते।

क्या प्रवर्तन शाखा दिल्ली द्वारा जब्त किए गए जनता के डीजल 10 साल और सीएनजी 15 साल पूरे कर चुके वाहन या उसके बदले वाहनों का उचित स्क्रैप मूल्य प्राप्त होगा ?

संजय बाटला

प्रवर्तन शाखा परिवहन विभाग द्वारा जब्त वाहनों को परिवहन आयुक्त के प्रिय पंजीकृत वाहन स्क्रैप डीलरो ने क्या कानून और नियम के अनुसार स्क्रैप किया? कौन देगा जवाब और कौन लेगा जिम्मेदारी?

नई दिल्ली। प्रवर्तन शाखा परिवहन विभाग द्वारा जब्त वाहनों को परिवहन आयुक्त के प्रिय पंजीकृत वाहन स्क्रैप डीलरो ने क्या कानून और नियम के अनुसार स्क्रैप किया ? कौन देगा जवाब और कौन लेगा जिम्मेदारी ?दिल्ली परिवहन आयुक्त के आदेश पर मार्च से 22 अगस्त 2023 तक जब्त किए गए जनता के वाहनों को ना तो छोड़ा गया, ना उसका स्क्रैप मूल्य दिया गया और ना सी.ओ.डी. (सर्टिफिकेट ऑफ डिपॉजिट) जारी किया गया जिससे वाहन मालिक नया वाहन खरीदने के समय भारत सरकार द्वारा घोषित फायदे प्राप्त कर सके, कैसा है यह न्याय ?

आपकी जानकारी हेतु बता दें दिल्ली परिवहन आयुक्त के आदेश पर प्रवर्तन शाखा द्वारा उठवाकर स्क्रैप डीलरो को जो वाहन सुपुर्द करवाए गए थे उनमें से 99.9 % वाहनों को अभी तक पंजीकृत वाहन स्क्रैप डीलर द्वारा अपने कब्जे में होने और पंजीकृत स्क्रैप सेंटर में पहुंचने का प्रमाणपत्र भी जारी नही किया है। .1 % भी वह वाहन है जिनके मालिको ने वाहन स्क्रैप करवाने की सहमति दी पर उनमें से भी अधिकतर को वाहन स्क्रैप मूल्य प्राप्त नहीं हुआ है, विश्वस्त सूत्रों द्वारा यह भी जानकारी प्राप्त हुई हैं की पंजीकृत वाहन स्क्रैप डीलरो के पंजीकृत वाहन स्क्रैप सेंटर पर तो वाहन पहुंचे ही नहीं, जिसकी जानकारी कोई भी पंजीकृत वाहन स्क्रैप सेंटर के रास्ते में आने वाले टोल प्लाजा से रिकार्ड चैक करके भी सिद्ध किया जा सकता है।

परिवहन विभाग द्वारा जब्त वाहन जिस स्क्रैप डीलर को सुपुर्द किए गए उनका टोल टैक्स पंजीकृत वाहन स्क्रैप सेंटर से दूर के राज्य में कटने की शिकायते परिवहन विभाग में दर्ज हुई है पर परिवहन आयुक्त एवम विशेष परिवहन आयुक्त (स्क्रैप सेल) द्वारा अभी तक वाहन स्क्रैप डीलरो की गलतियों को जानते हुए भी और डीलरो द्वारा वाहन स्क्रैप मूल्य वाहन मालिकों को नही देने/परिवहन विभाग में जमा नही करवाने और उच्च न्यायालय के आदेश आने के बाद भी वाहन मालिक को वाहन ना देने पर भी और बिना आज्ञा प्राप्त किए समय सीमा से पहले ही वाहनों को अनधिकृत तरीके से स्क्रैप करने की बात करने पर भी सिर्फ एक पंजीकृत वाहन स्क्रैप डीलर के अलावा किसी अन्य पर कोई कार्यवाही नहीं की है। अब महत्वपूर्ण सवाल उठता और बनता है कि अगर परिवहन आयुक्त अपने प्रिय बाहरी राज्यों में पंजीकृत वाहन स्क्रैप डीलरो से कोर्ट आदेश/ या अपने द्वारा जारी आदेश पर भी अधिकृत वाहन मालिक को उपलब्ध नहीं करवा सके तो उस वाहन मालिक को वाहन या वाहन का स्क्रैप मूल्य और सीओडी से मिलने वाले फायदे का भुगतान परिवहन विभाग से करवाएंगे या अपने घर से देंगे क्योंकी दिल्ली सरकार यह घोषणा कर चुकी है की वाहन जब्त करने के लिए दिल्ली सरकार की सहमती/ इजाजत नही प्रदान की गई थी ?दूसरा महत्वपूर्ण सवाल क्या परिवहन आयुक्त ने अपने प्रिय बाहरी राज्यों में पंजीकृत वाहन स्क्रैप डीलरो को प्रवर्तन शाखा द्वारा जब्त करवाकर दिल्ली की जनता के वाहनों को स्क्रैप दिल्ली के मायापुरी इंडस्ट्रियल एरिया में होने वाले स्क्रैप की तरह करवाने के लिए दिए थे क्योंकी उस तरह के वाहन स्क्रैप को एनजीटी के आदेश पर बंद करवा दिया गया था ?

रोडवेज बसों में लगेंगी एंटी स्लीपिंग डिवाइसें, दिल्ली व देहरादून की बसों में हुआ ट्रायल

चालक व परिचालक के सो जाने की स्थिति में तत्काल एलार्म बज उठेगा। इसके लिए बस की स्टीयरिंग पर सेंसरयुक्त एंटी स्लीपिंग डिवाइस लगाई जाएगी, जिससे बस हादसे रोकने में मदद मिलेगी। पहले चरण में 400 से अधिक बसों में ये सेंसरयुक्त डिवाइसों को लगाया जाएगा।

लखनऊ। चालक व परिचालक के सो जाने की स्थिति में तत्काल एलार्म बज उठेगा। इसके लिए बस की स्टीयरिंग पर सेंसरयुक्त एंटी स्लीपिंग डिवाइस लगाई जाएगी, जिससे बस हादसे रोकने में मदद मिलेगी। पहले चरण में 400 से अधिक बसों में ये सेंसरयुक्त डिवाइसों को लगाया जाएगा। परिवहन निगम प्रशासन ने बस यात्रियों की सुरक्षा के लिए बसों में एंटी स्लीपिंग डिवाइस लगाएगा। डिवाइस लगाने की मंजूरी प्रबंधक निदेशक मासूम अली सरवर ने दी है। बसों में डिवाइस लगने से बस ड्राइवर को बस चलाते समय नींद या झपकी आने पर अलार्म अलर्ट करेगा। लखनऊ से दिल्ली व देहरादून जाने वाली बसों में ट्रायल किया गया है। डिवाइस की टेस्टिंग दो चरणों में की गई, जिसके सफल होने के बाद टेंडर के जरिए डिवाइस लगाने के लिए कंपनी का चयन कर कंपनी को वर्क आर्डर जारी किया जाएगा। तीन महीने के अंदर बसों में डिवाइसों को लगा दिया जाएगा। दरअसल, बीती 28 अगस्त को डेढ़ साल के अंदर हुए बस हादसों की रिपोर्ट जारी की गई थी। जिसके अनुसार बस हादसे रोकने के लिए सेंसरयुक्त डिवाइस बसों में लगाकर हादसे कम करने की ओर यह कार्य किया गया है। इतना ही नहीं बसों को कमांड कंट्रोल सेंटर से भी जोड़ा जाएगा।

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर भयंकर हादसा, ग्रिल तोड़कर 25 फीट नीचे गिरी बस; 15 से ज्यादा यात्री घायल

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद में दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे (डीएमई) पर एयरबस रेस्टोरेंट के पास बृहस्पतिवार को रोडवेज बस एक्सप्रेसवे से नीचे गिर गई। हादसा शाम करीब पांच बजे हुआ जिसमें 15 लोगों के घायल होने की सूचना है। घायलों को दो अस्पतालो में भर्ती कराया गया है। फिलहाल किसी मौत की सूचना नहीं है। पुलिस व स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पहुंच गई हैं।

गाजियाबाद। गाजियाबाद में दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे (डीएमई) पर गुरुवार की शाम को बड़ा हादसा हो गया है। एयरबस रेस्टोरेंट के पास ग्रिल को तोड़कर रोडवेज बस एक्सप्रेसवे से 25 फीट नीचे गिर गई।

हादसे का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में साफ नजर आ रहा है कि बस ग्रिल तोड़कर एक्सप्रेस-वे से कई फीट नीचे जा गिरी। हादसे में 15 से अधिक यात्री घायल हो गए। घायलों को दो अस्पतालो में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, यह हादसा एयरबस रेस्टॉरेंट से एक किलोमीटर पहले हुआ है।

हादसे के बाद चालक के मुंह से निकल रहा था। जानकारी के मुताबिक मेरठ डिपो की रोडवेज बस मेरठ से दिल्ली के आनंद विहार जा रही थी। फिलहाल किसी मौत की सूचना नहीं है। पुलिस व स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पहुंच गई हैं।

भारत-चीन सीमा को जोड़ने वाली 70 किमी सड़क होगी चौड़ी, टैंकों को सीमा तक पहुंचने में मिलेगी सहूलियत

देहरादून। बीआरओ अंतरराष्ट्रीय सीमा तक सड़क सुविधा को सुदृढ़ करने के लिए भैरो घाटी से लेकर पीडीए तक 70 किमी की सड़क के चौड़ीकरण की तैयारी कर रहा है। भारतमाला परियोजना के तहत सड़क चौड़ीकरण की डीपीआर तैयार कर स्वीकृति के लिए केंद्र सरकार को भेजा जा रही है। भारत की ओर से अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सड़क परिवहन सुविधाओं में चीन को पूरी चुनौती दी जा रही है। अब इसी क्रम में बॉर्डर रोड ऑर्गेनाइजेशन (बीआरओ) भारत-चीन अंतरराष्ट्रीय सीमा को जोड़ने वाली भैरो घाटी से पीडीए तक की करीब 70 किमी लंबी सड़क के चौड़ीकरण की तैयारी कर रहा है। इसके लिए डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) बनाई जा रही है। भारतमाला परियोजना के तहत इसे जल्द ही स्वीकृति के लिए केंद्र सरकार को भेजा जाएगा। उत्तराखंड का उत्तरकाशी जिला भारत-चीन अंतरराष्ट्रीय सीमा पर स्थित है। यहां नेलांग, जादूंग, पीडीए, मंडी और सुमला में वर्षभर आईटीबीपी और सेना की टुकड़ियां तैनात रहती हैं।

प्रधानमंत्री का छत्तीसगढ़ दौरा: 6350 करोड़ की रेल परियोजनाओं की सौगात दी, पीएम मोदी बोले- छत्तीसगढ़ देश का पावर हाउस

पीएम ने अपने संबोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ हमारे लिए देश के विकास में पावर हाउस की तरह है। देश को आगे बढ़ाने की ऊर्जा तभी मिलेगी जब उसके पावर हाउस अपनी पूरी ताकत से काम करेंगे।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रायगढ़ के कोड़ातराई में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ विकास की दिशा में एक और बड़ा कदम उठा रहा है। आज छत्तीसगढ़ को 6400 करोड़ से भी अधिक रेल परियोजनाओं का उपहार मिल रहा है। छत्तीसगढ़ का सामर्थ्य ऊर्जा उत्पादन में बढ़ाने के लिए और स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुधार के लिए आज अनेक नई योजनाओं का शुभारंभ हुआ है। आज यहां सिकलसेल काउंसिलिंग कार्ड भी बांटे गए।

पीएम मोदी ने कहा, आधुनिक विकास की तेज रफ्तार के साथ ही गरीब कल्याण की भी तेज रफ्तार का भारतीय मॉडल, आज पूरी दुनिया देख रही है। उसकी सराहना हो रही है। आप सभी ने देखा है कुछ दिन पहले जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान बड़े-बड़े देशों के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिल्ली आए थे। सभी भारत के विकास और गरीब कल्याण के प्रयासों से प्रभावित हुए हैं। आज दुनिया की बड़ी-बड़ी संस्थाएं भारत की सफलता से सीखने की बात कर रही है। ऐसा इसलिए क्योंकि आज विकास में देश के हर राज्य को हर इलाके को बराबर की प्राथमिकता मिल रही है। जैसा कि उपमुख्यमंत्री सिंहदेव ने कहा कि हमें मिलकर देश को आगे बढ़ाना है। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ का यह इलाका भी इसका गवाह है।

पीएम ने कहा कि छत्तीसगढ़ हमारे लिए देश के विकास में पावर हाउस की तरह है। देश को भी आगे बढ़ाने की ऊर्जा तभी मिलेगी जब उसके पावर हाउस अपनी पूरी ताकत से काम करेंगे। इसी सोच के साथ बीते 9 वर्षों में हमने छत्तीसगढ़ के बहुमुखी विकास के लिए निरंतर काम किया है। उस विजन का उन नीतियों का परिणाम आज हमें देखने को मिल रहा है। आज छत्तीसगढ़ में केंद्र सरकार की ओर से हर क्षेत्र में बड़ी योजनाएं पूरी की जा रही हैं। नई-नई परियोजनाओं की नींव रखी जा रही है। आप जानते हैं जुलाई में ही विकास परियोजनाओं के लिए मैं रायपुर आया था। उस दौरान विशाखापट्टनम से रायपुर इकोनामिक कॉरिडोर और रायपुर से धनबाद इकोनामिक कॉरिडोर जैसी परियोजनाओं का शिलान्यास किया था।

कई आम नेशनल हाईवे का उपहार भी दिया था और अब आज छत्तीसगढ़ के रेल विकास का एक नया अध्याय लिखा जा रहा है। इस रेल नेटवर्क से बिलासपुर-मुंबई रेल लाइन के झारसुगुड़ा-बिलासपुर क्षेत्र की व्यस्तता कम होगी। इसी तरह अन्य रेल लाइन जो शुरू हो रही हैं। रेल कॉरिडोर बना रहे हैं। वह छत्तीसगढ़ के औद्योगिक विकास को नई ऊंचाई देंगे। जमीन पर काम पूरा होगा, तब छत्तीसगढ़ के लोगों को सुविधा होगी, साथ ही यहां रोजगार के नए-नए आयाम पैदा होंगे। केंद्र सरकार के प्रयास से देश के पावर हाउस के रूप में छत्तीसगढ़ की ताकत भी कई गुना बढ़ती जा रही है।

उन्होंने कहा कि अपने देश को विकसित करना है। यह काम तभी होगा, जब विकास में हर देशवासी की बराबर भागीदारी होगी। हमें देश की ऊर्जा जरूरत को भी पूरा करना और अपने पर्यावरण की भी चिंता करनी है। इसी सोच के साथ सूरजपुर जिले में बंद पड़े कोयला खदान को एक टूरिज्म के रूप में विकसित किया गया है। कोरबा क्षेत्र में भी इसी तरह के इको पार्क विकसित करने का काम हो रहा है।

पीएम ने आगे कहा कि आज खदानों से निकले पानी से हजारों लोगों को सिंचाई और पेयजल की सुविधा मिल रही है। इन सभी प्रयासों से सीधा लाभ इस क्षेत्र के जनजाति समाज के लोगों को मिल रहा है। मेरा संकल्प है कि जंगल, जमीन की हिफाजत भी करें और और वन संपदा से खुशहाली के नए रास्ते भी खोलें। आज वन धन विकास योजना का लाभ लाखों आदिवासी युवाओं को मिल रहा है। इस साल दुनिया मिलेट्स साल भी मना रही है। आने वाले साल में हमारे मिलेट्स कितना बड़ा बाजार तैयार कर सकता है। यानी एक और देश की जनजाति परंपरा को नई पहचान मिल रही है तो दूसरी ओर प्रगति के नए रास्ते भी खुल रहे है।

सिकलसेल एनीमिया को कर सकते हैं नियंत्रिता: पीएम

आज यहां सिकलसेल एनीमिया के जो काउंसलिंग कार्ड बांटे गए हैं। वह भी वह भी विशेष कर जनजाति समाज के लिए एक बहुत बड़ा सेवा का काम है। सिकलसेल एनीमिया से सबसे ज्यादा हमारे आदिवासी भाई-बहन ही प्रभावित हैं। हम सब मिलकर सही जानकारी के साथ इस बीमारी को नियंत्रित कर सकते हैं। हमें सबका साथ सबका विकास के संकल्प से आगे बढ़ाना है। छत्तीसगढ़ के विकास यात्रा में भारत सरकार ने जो कदम उठाए हैं। वह सारे काम छत्तीसगढ़ को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। लोगों ने मोबाइल से लाइट जलाकर पीएम मोदी का स्वागत किया। इस दौरान पीएम ने खुली जीप में सवार होकर लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। मंच से लोगों को पोला तिहार पर्व की बधाई दी और बैल की प्रतिमा को प्रणाम किया।

रेल परियोजनाओं की दी सौगात

इससे पहले पीएम ने 6350 करोड़ की रेल परियोजनाएं देश को समर्पित की। साथ ही छत्तीसगढ़ के 9 जिलों में 50 बिस्तरों वाले क्रिटिकल केयर ब्लॉक का भी शिलान्यास किया। पेंड्रा रोड से अनूपपुर के बीच तीसरी रेल लाइन 50 किमी लंबी है। इसका निर्माण लगभग 516 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। साथ ही चांपा और जामगा रेलखंड के बीच 98 किलोमीटर लंबी तीसरी रेल लाइन का निर्माण करीब 796 करोड़ की लागत से किया गया है। तलाईपल्ली कोयला खदान को एनटीपीसी लारा

सुपर थर्मल पावर स्टेशन से जोड़ने वाली एमजीआर प्रणाली भी शामिल है। 2070 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से निर्मित एमजीआर प्रणाली, कोयला खदानों से बिजली स्टेशनों तक कोयला परिवहन में सुधार के लिए बनाई गई है।

क्रिटिकल केयर ब्लॉक का किया शिलान्यास

पीएम ने छत्तीसगढ़ के नौ जिलों में 50 बिस्तरों वाले क्रिटिकल केयर ब्लॉक का भी शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री-आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन के तहत कुल 210 करोड़ रुपये की लागत से दुर्ग, कोंडागांव, राजनांदगांव, गरियाबंद, जशपुर, सूरजपुर, सरगुजा, बस्तर और रायगढ़ जिलों में 9 क्रिटिकल केयर ब्लॉक का निर्माण किया जाएगा।

भारत का चंद्रयान वहां पहुंचा, जहां दुनिया का कोई देश नहीं पहुंचा

नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ी में अपने भाषण का उद्बोधन करते हुए कहा, छत्तीसगढ़ के जम्मो भाई-बहिनी, सियान, महतारी मन ल जय जोहार। आप सभी इतनी बारिश के बीच इतनी असुविधा होते हुए भी दूर-दूर से हमें आशीर्वाद देने आए हैं। यह मेरे लिए बहुत बड़ा आशीर्वाद है। पूरे देश में आजकल उत्सव का माहौल है। उत्सवों के इस मौसम में खुशी डबल हो गई है। इस बार भारत अपनी उपलब्धियां का उत्सव भी मना रहा है। कुछ ही दिन पहले हमारे वैज्ञानिकों ने भारत को चांद पर पहुंचा दिया। भारत का चंद्रयान वहां पहुंचा, जहां दुनिया का कोई देश नहीं पहुंच पाया था और जैसे हमारे छत्तीसगढ़ में लोग कहते हैं ना छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया। वैसे ही आज दुनिया के लोग कह रहे हैं, भारत का चंद्रयान सबसे बढ़िया।

जी-20 का हुआ सफल आयोजन

पीएम ने कहा, इन सफलताओं के बीच भारत ने जी-20 शिखर सम्मेलन का सफल आयोजन किया। जी-20 का सफल सम्मेलन हर देशवासी की तपस्या का परिणाम है। 140 करोड़ भारतीयों के परिश्रम का परिणाम है। जी-20 की एक और बड़ी विशेषता ये थी कि छोटे-छोटे देश की आवाज वैश्विक मंचों तक नहीं पहुंच पाती थी। उनको पहली बार जी-20 में इतनी बड़ी भागीदारी मिली। अपनी जड़ों से जुड़े रहने की वजह से आज भारत इतना बड़ा काम कर पाया है। जो वंचित हैं, उसे वरीयता देना यही आज के भारत की प्राथमिकता है। जिन गरीबों, वंचितों, दलितों, पिछड़ों आदिवासियों की आवाज दबी हुई थी, उनके सपनों को हमने पूरा किया।

कांग्रेस सरकार पर कसा तंज

पीएम ने कहा कि जी-20 को सफल बनाने में छत्तीसगढ़ की जनता की सीधी भागीदारी रही है। आपने नया रायपुर में जी-20 की सफल बैठक कराई। अच्छे से मेहमानों का स्वागत किया। छत्तीसगढ़ की शानदार संस्कृति है। यहां के खान-पान यहां की अपनी विशेषता है। पूरी दुनिया में छत्तीसगढ़ की चर्चा हुई है। यहां का गौरव बढ़ा है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि एक समय था, जब छत्तीसगढ़ की पहचान नक्सली हिंसा से हुआ करती थी। भाजपा सरकार के प्रयास के बाद आज छत्तीसगढ़ की पहचान यहां के विकास कार्यों की वजह से हो रही है। भाजपा सरकार छत्तीसगढ़ के विकास के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है, लेकिन यहां जो कांग्रेस की सरकार है, वह विकास के काम में नहीं बल्कि सिर्फ हवा-हवाई बातें कर रही है। जब से छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार गई तब से प्रदेश को बड़ा नुकसान हुआ। इसका नुकसान छत्तीसगढ़ के भाई बहनों, नौजवानों को उठाना पड़ रहा है।

कांग्रेस सरकार नहीं दे रही पीएम आवास का लाभ

पीएम ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार बीते 9 वर्षों में देशभर के गरीब परिवारों को करीब-करीब 4 करोड़ घर दे चुकी है। हम चाहते थे कि छत्तीसगढ़ के गरीब परिवारों को भी पीएम आवास योजना का लाभ मिले, लेकिन कांग्रेस की सरकार छत्तीसगढ़ के गरीबों को पक्के घर नहीं बनने दे रही है। महिला कल्याण हो या पीएम सम्मान निधि योजना, नल-जल योजना हो या गरीब कल्याण से लेकर युवा कौशल रोजगार की हर योजना में यहां की सरकार ने छत्तीसगढ़ की गरीब जनता को लाभ देने नहीं दिया।

गोबर में भी भ्रष्टाचार कर रही कांग्रेस सरकार

पीएम मोदी ने भूपेश सरकार की गोधन योजना पर निशाना साधते हुए कहा कि जो गोबर में भी भ्रष्टाचार करे तो उसकी मानसिकता क्या होगी। कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ की बहनों से वादा तो किया था कि शराबबंदी करेंगे, लेकिन कांग्रेस ने शराबबंदी न कर इसकी बिक्री में ही घोटाला कर दिया। छत्तीसगढ़ खनिज संपदा से इतना समृद्ध राज्य है कि केंद्र की भाजपा सरकार ने डिस्टिक मिनिरल फंड योजना बनाई। इसमें जिन जिलों से खनिज संपदा निकलती है, इसका एक हिस्सा इस क्षेत्र के विकास के लिए खर्च किया जाए।

परिवार का रखना चाहती हैं खास ख्याल, महिलाएं 5 तरीकों की लें मदद, पूरी फैमली की कर सकेंगी देखभाल

आमतौर पर ज्यादातर महिलाएं फैमली के हर सदस्य को हैप्पी रखने की भरपूर कोशिश करती हैं, लेकिन कुछ चीजों को नजरअंदाज करने से फैमली की ख़ुशी कम भी हो सकती है. ऐसे में पार्टनर के साथ मिलकर कुछ तरीके आजमाएं, आप पूरे परिवार को खुश रखने के साथ ही उनकी सुरक्षा भी पुख्ता कर सकेंगी. आइए जानते हैं इनके बारे में.

हेल्थ चेकअप है जरूरी: ज्यादातर महिलाएं बच्चों से लेकर बड़े-बुजुर्गों का ख्याल भी अच्छी तरीके से रखती हैं, लेकिन इसके बावजूद कई बार घर के कुछ सदस्यों की तबीयत ख़राब भी हो जाती है. ऐसे में जरूरी है कि परिवार के हर सदस्य का हेल्थ चेकअप भी समय-समय पर करवाया जाए. इससे फैमली के सभी मेंबर्स हैप्पी और हेल्दी फील करेंगे और आप उनकी सुरक्षा को लेकर चिंतित नहीं रहेंगी.

डाइट का रखें ध्यान: आजकल ज्यादातर लोग, खासकर बच्चे जंक फ़ूड को डाइट में शामिल करना पसंद करते हैं. ऐसे में जरूरी है परिवार की महिलाएं अपने लाइफ पार्टनर के साथ मिलकर घर के बड़े और बच्चों की डाइट का ध्यान रखें. साथ ही जंक फ़ूड को अवॉइड करके परिवार के सभी सदस्यों को पोषक तत्वों से भरपूर चीजें सर्व करें. इससे घर के किसी सदस्य की सेहत अनहेल्दी डाइट की वजह से ख़राब नहीं होगी.

एक्सरसाइज पर करें फोकस: फैमिली के सभी मेंबर फिट एंड फाइन बने रहें, इसके लिए जरूरी है कि घर के सभी सदस्यों को डेली एक्सरसाइज करने के लिए प्रेरित किया जाए. ऐसे में आप हर फैमली मेंबर को वॉकिंग, साइकलिंग, योग और स्पोर्ट एक्टिविटी जैसी चीजों को रुटीन में शामिल करने की सलाह दें. इस तरीके से घर के सभी सदस्य फिट एंड फाइन बने रहेंगे.

सेविंग को न करें नजरअंदाज: आपका परिवार हमेशा खुश रहे इसके लिए आर्थिक रूप से मजबूत होना भी जरूरी है, इसलिए घर की महिलाओं के लिए जरूरी है कि वह हर महीने की इनकम से थोड़ी-थोड़ी सेविंग करती रहें. इसके साथ ही घर के मेम्बर्स को फिजूल खर्ची न करने की सलाह दें और खुद भी इस पर अमल करें. इस तरीके से कभी इमरजेंसी आ जाने पर आपको पैसों की टेंशन नहीं रहेगी.

सेफ्टी का रखें ख्याल: आजकल का माहौल काफी ख़राब है, ऐसे में खुद के साथ बच्चों और बड़ो की सेफ्टी का ख्याल भी जरूर रखें. इसके लिए बच्चों की अपब्रिंगिंग का भी ध्यान रखें और उनके स्कूल और दोस्तों से जुड़ी चीजों के बारे में जानकारी हासिल करती रहें. इसके साथ ही घर से बाहर जाते समय सबकी सुरक्षा पुख्ता कर लें, जिससे फैमली में खुशियां और पॉजिटिविटी बरकरार रह सके।

प्रोटीन से भरपूर बाजरा देगा शरीर को कई फायदे, हार्ट भी रहेगा स्वस्थ

गेहूं-चावल की जगह आप बाजरे को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं, इस को सूपर फूड भी कहा जाता है। जहां चावल में लगभग 82 % कार्बोहाइड्रेट पाया जाता है वहीं गेहूं में 76% और बाजरे में 78% कार्बोहाइड्रेट मौजूद होता है। इसके अलावा बाजरे में कॉम्पलेक्स, कार्बोहाइड्रेट, फाइबर, प्रोटीन, एंटीऑक्सीडेंट्स, विटामिन बी जैसे कई सारे पोषक तत्व पाए जाते हैं जो स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी माने जाते हैं। इसका सेवन करने से पेट लंबे समय तक भरा रहता है। इसके अलावा यह खून में चीनी की मात्रा बढ़ने से भी रोकता है। बाजरे का सेवन करने से डायबिटीज कंट्रोल और हार्ट हेल्दी रखने में मदद मिलती है। तो चलिए आपको बताते हैं इसे खाने से सेहत और क्या-क्या फायदे होते हैं...

नाश्ते में खाने से मिलेगा फायदा

एक्सपट्र्स की मानें तो यदि बाजरे का सेवन सही समय पर किया जाए तो शरीर को ज्यादा स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं। ब्रेकफास्ट के तौर पर आप इसका सेवन कर सकते हैं। इससे आप सारा दिन एनर्जेटिक रहेंगे और आपका पेट भरा हुआ रहेगा। इसके अलावा दोपहर के भोजन में गेंहू या फिर चावल की जगह आप इसका सेवन कर सकते हैं। रात में बाजरे का सेवन करने से पाचन में मदद मिलती है। इसमें फाइबर काफी अच्छी मात्रा में मौजूद होता है जिससे आपको रात में काफी अच्छी नींद आती है।

अच्छी मात्रा में मौजूद होता है प्रोटीन

बाजरे में लगभग 8-12 ग्राम प्रोटीन, फॉक्सटेल बाजरे में 10-12 ग्राम प्रोटीन और रागी में करीबन 7-10 ग्राम प्रोटीन मौजूद होता है। इसके अलावा बाजरे की अलग-अलग किस्म में भी प्रोटीन काफी अच्छी मात्रा

में मौजूद होता है। गेंहू या चावल की जगह आप इसका सेवन कर सकते हैं।

मिनरल्स और विटामिन्स युक्त

बाजरा और रागी में बी1, बी2, बी3, बी5, बी6 और बी9 काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है। यह विटामिन्स एनर्जी बढ़ाने, पाचन और रेड ब्लड सेल्स कोशिकाएं बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके अलावा रागी में विटामिन-के, ए, कैल्शियम, सेलेनियम और आयरन काफी अच्छी मात्रा में मौजूद होता है। इसके अलावा इसमें कुछ खास एंटीऑक्सीडेंट्स बी सामिल होते हैं जो सुपरऑक्साइज रेडिकल्स का असर कम करते हैं।

हार्ट को रखता है स्वस्थ

एक्सपट्र्स की मानें तो बाजरे में मैग्नीशियम काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है। यह हार्ट को स्वस्थ रखने के साथ-साथ उसे धड़कने में भी मदद करता है। इसमें पाया जाने वाला प्रोटीन, कार्डियोवेस्कुलर टिश्यू को बचाने में मदद करता है। इसके अलावा इसमें पाया जाने वाला विटामिन-बी3 हार्ट डिजीज का खतरा कम करके ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस कम करने में मदद करता है।

अकेलेपन से नहीं उबर पा रहीं? 5 टिप्स की मदद से खुद को रखें पॉजिटिव, डिप्रेशन एंजाइटी भी रहेंगे दूर

लोगों के बीच रहते हुए भी खुद में अकेलापन महसूस करना आपके मेंटल हेल्थ को काफी प्रभावित कर सकता है. खुद को अगर आप ऐसे हालात से बाहर निकालना चाहती हैं तो कुछ टिप्स की मदद लें.

अकेलापन, हालात नहीं, एक तरह की फीलिंग है जिसमें इंसान भीड़ में रहकर भी खुद को अलग थलग पाता है. यह आपके मेंटल फिजिकल हेल्थ को सीधे तौर पर प्रभावित करता है और अगर आप इस इमोशन को सही तरीके से डील ना कर पाए तो स्ट्रेस, डिप्रेशन, एंजाइटी की गिरफ्त में आसानी से आ सकते हैं. यही नहीं, अधिक दिनों तक अगर आप इस हालात में रहे तो ये आपके शारीरिक सेहत को भी प्रभावित करने लगता है. अगर आप भी इस तरह अकेलापन महसूस कर रहे हैं तो कुछ तरीके हैं जिसकी मदद से आप सकारात्मक महसूस कर सकते हैं.

अकेलेपन को ऐसे करें दूर

क्लब या क्लास ज्वाइन करें

वेरीवेल माइंड के मुताबिक, अगर आप खुद को अलग थलग महसूस करें तो जरूरी है कि आप अपने लिए एक ऐसा ग्रुप ढूंढ लें जिसमें आपके जैसे लोग हों. इसके लिए आप अपने आसपास कोई क्लब या हॉबी क्लास ज्वाइन करें. इस तरह आप एक ग्रुप का हिस्सा बन पाएंगे और खुद को अकेलेपन से बाहर निकाल पाएंगी.

इन उपायों से दूर होगी घर की निगेटिव एनर्जीआगे देखें...

वॉलेंटियरिंग करें

अगर आप अपनी जिंदगी से सेटिस्फाई रहेंगी तो आप बेहतर महसूस कर पाएंगी. इसके लिए आप उन जगहों पर वॉलेंटियरिंग कर सकते हैं जहां काम कर आप लोगों की मदद कर सकें और दूसरों की जिंदगी को आसान बना पाएं. यह भावना आपके अकेलेपन को दूर करने का काम कर सकती है.

ऑनलाइन सपोर्ट

आप सोशल मीडिया का सकारात्मक तरीके से इस्तेमाल करें और फीयर ऑफ मिसिंग आउट वाली फीलिंग से बाहर निकालें. यहां आकर आप लोगों से जुड़ सकते हैं और बातचीत का हिस्सा बन सकते हैं.

अपनों से मिलें जुलें

अगर आप बेहतर महसूस ना कर पा रही हैं तो अपने उन परिवार के सदस्यों, पुराने दोस्तों या टीचर आदि से मिलने का प्लान बनाएं जिनके साथ आप पॉजिटिव महसूस करती हैं. यकीन मानिए, आप ऐसे लोगों से मिलकर बेहतर महसूस करेंगे और आपका मेंटल हेल्थ भी अच्छा होगा.

सेल्फ केयर

खुद के लिए वक्त निकालना शुरू करें. वॉक पर जाएं, रिलैक्स करें, भरपूर नींद लें, अपने पसंद की चीजों को बनाएं और खाएं. डॉक्टर से मिलें, चेकअप कराएं और जरूरी सप्लीमेंट का सेवन करें और खुद को व्यस्त रखें.

पेरेंट्स बच्चों को सिखाएं मातृभाषा का महत्व

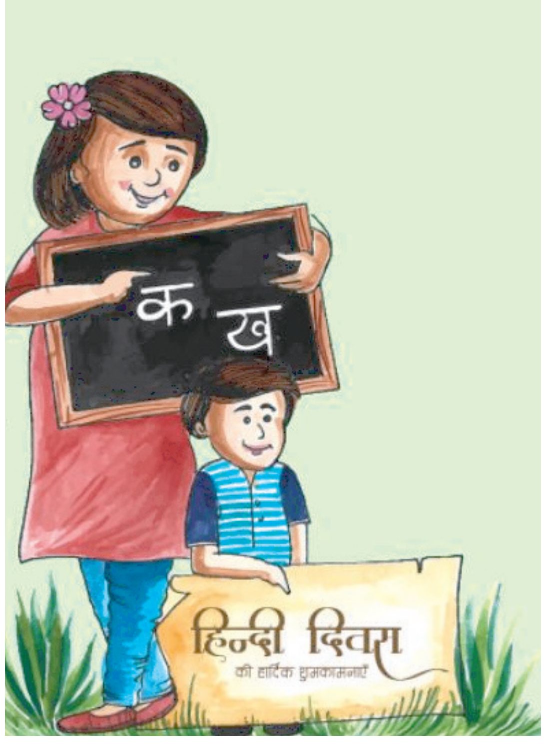

बदलते दौर में अंग्रेजी का चलन इतना बढ़ गया है कि लोग हिंदी भाषा की अहमियत ही भूलते जा रहे हैं। हिंदी दिवस का महत्व बताने के लिए हर साल 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है। बदलती पीढ़ी हिंदी का महत्व बिल्कुल भूलती जा रही है। ऐसे में बच्चों को अपनी मातृभाषा के पास रखना जरुरी है। बच्चों को हिंदी भाषा की अहमियत बतानी पड़ेगी। उन्हें बताना पड़ेगा कि हिंदी का इतिहास कितना समृद्ध है। आज हिंदी दिवस के मौके पर आपको बताते हैं कि आप बच्चों को मातृभाषा के करीब कैसे रख सकते हैं....

रोजाना करें हिंदी का इस्तेमाल

बच्चे अपने आस-पास जो भी चीजें देखते हैं या सुनते हैं उसको बहुत ही जल्दी सीखते हैं ऐसे में यदि आप चाहते हैं कि वह अपनी भाषा के करीब रहें तो रोजाना की रुटीन में हिंदी भाषा शामिल करें। इस तरह वह हिंदी को जान पाएंगे। हिंदी में आप उन्हें कविताएं, कहानियां, मुहावरें सुनाएं। इससे उनको भाषा भी समझ आएगी और इसके प्रति उनका सम्मान भी बढ़ेगा।

बच्चों को सिखाएं भाषा की अहमियत

व्यक्ति किसी भी चीज की कद्र तभी करता है अगर उसको उस चीज की अहमियत पता हो। ऐसे में जरुरी है कि आप बच्चों को मातृभाषा की अहमियत सिखाएं। पहले बच्चों को स्कूल में यह बताया जाता था लेकिन अब बदलते समय के साथ स्कूल में अंग्रेजी पर ही ज्यादा जोर दिया जाता है। ऐसे में जिंदगी की चुनौतियां भी बढ़ गई हैं इसलिए जरुरी है कि उन्हें भाषा की अहमियत सिखाई जाए।

इतिहास के बारे में बताएं

बच्चों को आप हिंदी भाषा का इतिहास जरुर बताएं। उन्हें बताएं कि हिंदी भाषा में लिखे लेखकों के लेख पूरी दुनिया में प्रचलित हैं। मातृभाषा में काम करने वाले व्यक्ति को पूरी दुनिया में सम्मान की नजर के साथ देखा जाता है। इस तरह की बातें जानकर बच्चों के दिल में हिंदी भाषा के प्रति आत्म सम्मान बढ़ेगा।

स्पीच करवाएं तैयार

आप बच्चों को हिंदी दिवस पर एक स्पीच तैयार करवा सकते हैं। इससे बच्चों को हिंदी बोलनी भी आएगी और उनमें इसे लेकर आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।

दिल से लेकर दातों तक को मजबूत करती है ब्रॉकली, जानिए इसे खाने के अनेक फायदे...

ब्रोकली वैसे दिखने में तो गोभी जैसा नजर आता है, लेकिन उससे कहीं ज्यादा फायदेमंद होती है। इसमें भरपूर मात्रा में प्रोटीन पाया जाता है। बता दें प्रोटीन भी हमारे शरीर के लिए बहुत जरूरी है। इसलिए प्रोटीन की पूर्ति के लिए इसका सेवन कर सकते हैं। साथ ही इसमें कैल्शियम, कार्बोहाइड्रेट, आयरन, विटामिन ए, सी और कई दूसरे पोषक तत्व पाए जाते हैं. इसमें कई प्रकार के लवण भी पाए जाते हैं, जो शुगर लेवल को संतुलित बनाए रखने में मददगार हैं....

इम्यूनिटी को बूस्ट करता है ब्रोकली

ब्रोकली में विटामिन सी प्रचूर मात्रा में पाई जाती है। विटामिन सी शरीर के इम्यून सिस्टम को बूस्ट करने और संक्रमण से बचाने में मददगार है।

दिल को रखती है स्वस्थ

इसमें पाए जाने वाले सेलेनियम और ग्लूकोसिनोलेट्स जैसे तत्व दिल को स्वस्थ रखने वाले प्रोटीन को बढ़ाने का काम करते हैं। इसलिए यह दिल की सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है।

लीवर को करता है मजबूत

ब्रोकली को डाइट में शामिल करने से लिवर क्षति का जोखिम कम होता है। साथ ही फैटी लिवर की समस्या में लाभ मिलता है। इसलिए लीवर को मजबूत बनाने के लिए ब्रोकली का सेवन करना चाहिए।

प्रेग्नेंट महिलाओं के लिए भी लाभकारी

ब्रोकली में मौजूद प्रोटीन, आयरन, फोलेट और विटामिन सी जैसे पोषक तत्व प्रेग्नेंट महिलाओं के लिए जरूरी माने जाते हैं। इसलिए प्रेग्नेंट महिलाओं को इसका सेवन जरूर करना चाहिए।

हड्डियों और दांतों की सेहत का रखती है ख्याल

इसमें कैल्शियम प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। जो हड्डियों और दांतों के लिए बहुत लाभकारी है।

बिजली बचत की दिशा में दिल्ली सरकार का बड़ा कदम

अधिक खपत वाली बिल्डिंगों का होगा एनर्जी ऑडिट

दिल्ली सरकार ने बिजली बचत की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। खपत को कम करने और ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देने के लिए अरविंद केजरीवाल सरकार बड़ी इमारतों कार्यालयों और स्ट्रीट लाइट्स का एनर्जी ऑडिट करवाएगी। सभी को तीन साल में एक बार एनर्जी ऑडिट करवाना अनिवार्य होगा और ऑडिट रिपोर्ट की सिफ़ारिशों को अमल में लाना होगा।

नई दिल्ली। बिजली की खपत कम करने और ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देने के लिए दिल्ली सरकार अपनी इमारतों, कार्यालयों और स्ट्रीट लाइट्स का एनर्जी ऑडिट करवाएगी। इस एनर्जी ऑडिट का उद्देश्य बिजली के अधिक इस्तेमाल करने वाले स्थानों का पता लगाना और वहां स्मार्ट तरीक़ों से बिजली की खपत को कम करने की रणनीति तैयार करना है।

सरकार जल्द जारी करेगी अधिसूचना

सरकारी भवनों के साथ-साथ स्वीकृत भार 500 किलोवाट वाले सभी वाणिज्यिक मॉल, प्लाजा, अस्पताल, संस्थागत भवन, बहुमंजिला और ऊंची गैर-घरेलू इमारतें व उद्योग आदि भी नियमों के अनुसार, अपना विस्तृत एनर्जी ऑडिट कराना होगा। इस बाबत सरकार जल्द ही अधिसूचना जारी करेगी। इन्हें बोर्ड ऑफ़ एनर्जी एफ़िशिएन्सी (बीईई) द्वारा प्रमाणित एनर्जी ऑडिटर द्वारा अनिवार्य विस्तृत एनर्जी ऑडिट करवाना होगा।

इन सभी उपभोक्ताओं को अधिसूचना के छह माह के भीतर एनर्जी ऑडिट करवाना होगा। साथ ही सभी को तीन साल में एक बार एनर्जी ऑडिट करवाना अनिवार्य होगा और ऑडिट रिपोर्ट की सिफ़ारिशों को अमल में लाना होगा।

ऑडिट के तहत बिजली के सभी उपकरणों और उनकी वास्तविक ऊर्जा खपत को मापना, उसकी आवश्यक अनुमानित न्यूनतम ऊर्जा के साथ तुलना करना और फिर बिजली की बचत के लिए आर्थिक और तकनीकी रूप से ज़रूरी तरीकों की पहचान करना शामिल है। एनर्जी ऑडिट से बिजली का दक्षतापूर्ण प्रयोग के लिए भी सुझाव मिलेगा, जिसके परिणामस्वरूप बिजली और पैसे दोनों की बचत होगी।

बिजली की मांग को स्थिर करने में मिलेगी मदद

इस बारे में जानकारी देते हुए ऊर्जा मंत्री आतिशी ने कहा कि माना जाता है कि यदि कोई उपभोक्ता बिजली की एक यूनिट की बचत करता है, वो बिजली संयंत्र में उत्पादित दो यूनिट के बराबर होता है। ऐसे में इन ऑडिट से प्राप्त ऊर्जा-बचत उपायों से दिल्ली की समग्र बिजली मांग को स्थिर करने में मदद मिलेगी। इसके अलावा एनर्जी ऑडिट से न केवल दिल्ली भर में भवनों में ऊर्जा की खपत को कम करने के तरीकों का पता चलेगा बल्कि इससे वित्तीय बोझ भी कम होगा। साथ ही यह पहल सीओटू उत्सर्जन को कम करने में मददगार साबित होगी।

ऊर्जा मंत्री ने साझा किया कि एनर्जी ऑडिट ऊर्जा संरक्षण और दक्षता के प्रति केजरीवाल सरकार का सक्रिय रुख को दिखाता है।इसके ज़रिए उन ग़ैर ज़रूरी स्थानों की पहचान की जा सकेगी जहां बिजली का अत्यधिक उपयोग हो रहा है।वहां बिजली के बचत के प्रभावी उपायों को लागू किया जा सकेगा।इसके साथ ही यह पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी बेहद महत्वपूर्ण कदम है।

दिल्ली-एनसीआर वालों को उमस से राहत नहीं, 8 वर्षों में सबसे ज्यादा गर्म रहा सितंबर; बारिश को लेकर आईएमडी ने क्या कहा

सितंबर माह भी आधा बीत गया लेकिन इस बार दिल्ली और एनसीआर के लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत नहीं मिल पा रही है। बृहस्पतिवार को भी दिल्ली का अधिकतम तापमान सामान्य से चार डिग्री अधिक रहा। आलम यह है कि 14 सितंबर का दिन बीते आठ वर्षों में सबसे ज्यादा गर्म दर्ज किया गया।

नई दिल्ली। सितंबर माह भी आधा बीत गया, लेकिन इस बार दिल्ली और एनसीआर के लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत नहीं मिल पा रही है। बृहस्पतिवार को भी दिल्ली का अधिकतम तापमान सामान्य से चार डिग्री अधिक रहा। आलम यह है कि 14 सितंबर का दिन बीते आठ वर्षों में सबसे ज्यादा गर्म दर्ज किया गया। दिल्ली में बृहस्पतिवार को भी सुबह ही धूप खिल गई थी, जो दिन चढ़ने के साथ और तीखी होती गई। तेज धूप एवं उमस के कारण तापमान में भी खासी वृद्धि देखने को मिली।

सामान्य से अधिकतम चार डिग्री पहुंचा तापमान

अधिकतम तापमान सामान्य से चार डिग्री ज्यादा 37.6 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं, न्यूनतम तापमान 27.8 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से तीन डिग्री ज्यादा है। हवा में नमी का स्तर 91 से 55 प्रतिशत तक रहा। मौसम विभाग के आंकड़ों पर नजर डालें तो पिछले आठ वर्षों में 14 सितंबर के दिन कभी भी तापमान इतना ज्यादा नहीं रहा था।

शुक्रवार को हो सकती है बारिश

मौसम विभाग का अनुमान है कि शुक्रवार को बादलों की आवाजाही लगी रहेगी। हल्की से मध्यम स्तर की वर्षा हो सकती है। अधिकतम तापमान 36 जबकि न्यूनतम 27 डिग्री सेल्सियस तक रह सकता है।

बजरंग पुनिया के खिलाफ पटियाला हाउस कोर्ट में सुनवाई टली, मानहानि से जुड़ा है मामला

दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने गुरुवार को बजरंग पुनिया के छूट आवेदन को अनुमति दे दी। कोर्ट ने बजरंग पुनिया को व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट दे दी और मामले में अगली सुनवाई और उपस्थिति के लिए 17 अक्टूबर की तारीख तय कर दी। बता दें कि कोर्ट ने तीन अगस्त को कुश्ती कोच नरेश दहिया द्वारा दायर मानहानि के मामले में पहलवान बजरंग पुनिया को समन जारी किया था।

नई दिल्ली। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने गुरुवार को बजरंग पुनिया के छूट आवेदन को अनुमति दे दी। कोर्ट ने कहा कि पुनिया 13 सितबंर 2023 को एशियाई खेलों और उसके अभ्यास सत्र के लिए किर्गिस्तान गए थे। कोर्ट की तरफ से मानहानि के एक मामले में उन्हें समन जारी किया गया था।
मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट यशदीप चहल ने बजरंग पुनिया को व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट दे दी और मामले में अगली सुनवाई और उपस्थिति के लिए 17 अक्टूबर की तारीख तय कर दी। बता दें कि दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने तीन अगस्त को कुश्ती कोच नरेश दहिया द्वारा दायर मानहानि के मामले में पहलवान बजरंग पुनिया को समन जारी किया था। गुरुवार को सुनवाई के दौरान बजरंग पुनिया के वकील ने साई का भी प्रतिनिधित्व किया। कोर्ट में कहा गया कि बजरंग पुनिया को उनके कोच सुजीत मान के साथ तैयारी के लिए 13 सितंबर को किर्गिस्तान ट्रेनिंग के लिए भेजा गया था। खास बात है कि एशियन गेम्स में कुश्ती की प्रतियोगिताएं चार अक्टूबर से शुरू होगीं और सात अक्टूबर को खत्म होंगी।

दिल्ली से लंदन के लिए रवाना हुई फ्लाइट अचानक पहुंची पाकिस्तान के एयर स्पेस, वापस लौटी राजधानी

राजधानी दिल्ली से लंदन के लिए रवाना हुई फ्लाइट (एयर इंडिया बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर) कुछ ही देर में अचानक आईजीआई एयरपोर्ट लौट आई। दरअसल उड़ान के समय विमान में कुछ तकनीकी खामी आ गई थी जिस वजह से फ्लाइट को वापस दिल्ली एयरपोर्ट लौटना पड़ा। जानकारी के मुताबिक आईजीआई एयरपोर्ट लौटने के दौरान फ्लाइट पाकिस्तान के एयर स्पेस में चली गई थी।

नई दिल्ली। नई दिल्ली से लंदन जा रहे एयर इंडिया का विमान पाकिस्तान की वायु सीमा में प्रवेश करने के बाद अचानक नई दिल्ली लौट आया। ऐसा क्यों किया गया, इस बारे में एयर इंडिया की ओर से कुछ भी नहीं बताया जा रहा है। एयर इंडिया की उड़ान संख्या एआई 111 ने इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर सुबह करीब सवा सात बजे उड़ान भरी। उड़ान भरने के करीब आधे घंटे बाद विमान में कुछ खराबी आनी शुरू हुई। बीकानेर के पास विमान 36 हजार फीट की ऊंचाई से 32 हजार फीट तक पहुंचा और पाकिस्तान की वायु सीमा में प्रवेश कर गया।

एयरपोर्ट पर हुई सफल लैंडिंग

इसके बाद विमान ने यू टर्न लेकर नई दिल्ली लौटने की प्रक्रिया शुरू की। करीब साढ़े नौ बजे विमान ने आईजीआई एयरपोर्ट पर सफलतापूर्वक लैंडिंग की। इंटरनेट मीडिया पर यशवर्धन त्रिखा नामक व्यक्ति ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट करते हुए लिखा कि एयरपोर्ट पर इस विमान में सवार सभी यात्री फंसे हैं।

एसी के अलावा कुछ और भी खराबी

विमान में एसी से जुड़ी कुछ खराबी के अलावा कुछ और भी खराबी थी। इस पर एयर इंडिया ने उत्तर देते हुए इनसे कहा कि ऑपरेशनल कारणों से उड़ान में विलंब हो रहा है।

यात्रियों ने जताई नाराजगी

एक यात्री ने उड़ान में हो रहे विलंब पर नाराजगी जताते हुए लिखा कि उनकी मां को लंदन से कनाडा के लिए कनेक्टिंग फ्लाइट लेनी है। अब कनेक्टिंग फ्लाइट के छूटने का डर है।

खुलासा: युवक ने दिल्ली की महिला को ग्रेटर नोएडा ले जाकर क्यों मार डाला? गला रेता, चेहरे और शरीर पर फेंका तेजाब

आंबेडकर नगर की एक 45 वर्षीय महिला पिंकी का ग्रेटर नोएडा स्थित नॉलेज पार्क में नौ सितंबर को शव मिला था। महिला का गला रेतकर हत्या की गई थी। चेहरे और शरीर पर एसिड भी डाला गया था। ग्रेटर नोएडा के पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज किया था। वहीं अंबेडकर नगर पुलिस भी सूचना के बाद हत्या का मामला दर्ज कर जांच कर रही थी।

नई दिल्ली। आंबेडकर नगर की एक 45 वर्षीय महिला पिंकी का ग्रेटर नोएडा स्थित नॉलेज पार्क में नौ सितंबर को शव मिला था। महिला का गला रेतकर हत्या की गई थी। चेहरे और शरीर पर एसिड भी डाला गया था। ग्रेटर नोएडा के पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज किया था।

वहीं, अंबेडकर नगर पुलिस भी सूचना के बाद हत्या का मामला दर्ज कर जांच कर रही थी। जांच में पता चला कि महिला के साथ काम करने वाले सहकर्मी ने ही महिला की हत्या की है। कुछ समय पहले महिला ने उसे 11 लाख रुपये अधार दिए थे, लेकिन जब महिला ने रुपये वापस मांगे तो सहकर्मी ने महिला की हत्या कर दी।

हथियार और तेजाब की बोतल बरामद

आरोपित की पहचान सुभाष विहार के मो. जाकिर के रूप में हुई है। फिलहाल उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। हत्या में इस्तेमाल हथियार और तेजाब की बोतल भी बरामद कर ली गई है।

बेटा मां को रेलवे स्टेशन गया था छोड़ने

जिले की पुलिस उपायुक्त चंदन चौधरी ने बताया कि महिला की बेटी ने मामले में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि आठ सितंबर की सुबह उनका भाई उनकी मां को हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पर छोड़ने गया था, लेकिन वह वापस घर नहीं लौटी। वह, निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पर रेलवे में टेक्निकल सुपरवाइजर के पद पर नौकरी करती हैं।

दूसरे दिन ग्रेटर नोएडा में मिला शव

इसके बाद नौ सितंबर की सुबह महिला का शव ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क में मिला। महिला की गला रेतकर हत्या की गई थी। चेहरे और शरीर पर तेजाब डाला गया था। तब आंबेडकर नगर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज किया और स्पेशल स्टाफ के इंचार्ज इंस्पेक्टर धीरज महलावत और अंबेडकर नगर के एसएचओ इंस्पेक्टर किशन कुमार की टीम ने जांच शुरू की।

जाकिर रुपये नहीं कर रहा था वापस

कार्यालय में पूछताछ में पता चला कि महिला आठ सितंबर को दो से तीन बजे के आसपास कार्यालय से चली गई थी। स्वजन से पूछताछ करने पर पता चला कि 2018-19 में महिला ने अपने सहकर्मी मो. जाकिर को 11 लाख रुपये उधार दिए थे, लेकिन वह पैसे वापस नहीं कर रहा था। इससे पिंकी काफी परेशान थी और उनका जाकिर से झगड़ा भी हुआ था। जाकिर भी निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पर टेक्निकल सुपरवाइजर है।

वारदात के बाद से छुट्टी पर चला गया था आरोपित

पूछताछ के बाद जांच में पता चला कि आठ सितंबर की दोपहर करीब दो से तीन बजे के बाद महिला के जाने के बाद जाकिर भी कार्यालय से चला गया था। यह भी पता चला कि वह एक सप्ताह के लिए छुट्टी पर चला गया है। उसका मोबाइल भी बंद था।

रुपये वापस मांगने पर बनाई हत्या की योजना

आखिरकार 12 सितंबर को उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में उसने हत्या की बात कबूल कर ली। उसने बताया कि उसने महिला से 11 लाख रुपये उधार ले रखे थे। वह रुपये वापस मांग रही थी। तब उसने हत्या की योजना बनाई। फिर महिला को ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क ले जाकर गला रेतकर हत्या कर दी। फिर शव की पहचान न हो इसलिए चेहरे और शरीर पर तेजाब डाल दिया।

दिल्ली एयरपोर्ट पर काम करने वाला लोडर गिरफ्तार, महंगे सामान की करता चोरी; 13 महंगी घड़ियां और आईफोन बरामद

दिल्ली की आईजीआई एयरपोर्ट थाना पुलिस ने हाथ में बांधने वाली 13 महंगी घड़ियां और एक आईफोन 14 प्रो मैक्स बरामद किया है। इससे पुलिस को इसी साल जून में दर्ज हुए एक केस को भी सुलझाने में सफलता मिली है। पुलिस कई आरोपियों को गिरफ्तार किया है जिसमें एक एयरपोर्ट पर काम करने वाला लोडर भी शामिल है।

नई दिल्ली। दिल्ली की आईजीआई एयरपोर्ट थाना पुलिस ने हाथ में बांधने वाली 13 महंगी घड़ियां और एक आईफोन 14 प्रो मैक्स बरामद किया है। इससे पुलिस को इसी साल जून में दर्ज हुए एक केस को भी सुलझाने में सफलता मिली है। पुलिस कई आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिसमें एक एयरपोर्ट पर काम करने वाला लोडर भी शामिल है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि एयरपोर्ट से सामान चोरी होने के मामले सामने आने के बाद से शिकंजा कसा जा रहा है। पुलिस ऐसे लोगों की तलाश कर रही है जो एयरपोर्ट से सामान, बैग, मोबाइल, घड़ियों की चोरी करते हैं। पुलिस ने अब तक 25 लोगों को गिरफ्तार किया है, जो सामानों की चोरी करने में शामिल थे। साथ ही उनसे चोरी का सामान बरामद कर लिया है।

कनाडा जा रहे परिवार के सामान की हुई चोरी

दिल्ली के रहने वाले अनिल कपूर ने जून में आईजीआई एयरपोर्ट थाने में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें उन्होंने कहा था कि वो अपने परिवार के साथ कनाडा जा रहे थे। शिकायत के अनुसार, परिवार ने लुफ्थांसा एयरलाइंस से व्हीलचेयर ली। वहीं, अनिल कपूर के पास एक आईफोन-14 प्रो मैक्स 2टीबी था। इसकी कीमत एक लाख 75 हजार रुपये थे। मोबाइल को वो अपने बेटे के लिए गिफ्ट में देने वाल थे, जो कनाडा में रहता है।

यात्रियों के सामान पर रखता नजर

अनिल ने आरोप लगाया कि जब चेक-इन कर रहे थे तो उसी समय उन्होंने अपने सामान में मोबाइल रखा था। यह व्हीलचेयर पर सहायता करने वाले शख्स ने यह सब देख लिया था। आरोप लगाया कि जब वो कनाडा पहुंचे और अपना सामान देखा तो पता चला कि बैग का लॉक टूटा हुआ था। उसमें रखा आईफोन भी गायब था। पुलिस ने सामान चोरी करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिसमें उनके पास आईफोन भी बरामद हुआ है। साथ ही 13 महंगी घड़ियां भी बरामद हुई हैं, जो उन्होंने अलग-अलग चोरियों से चुराईं थी। एयरपोर्ट पुलिस के लगातार प्रयास की वजह से 35 चोरी हुए मोबाइल, एक इनोवा कार, मोटरसाइकिल, सात घरेलू सामान, 10 सोने की चीजें, आठ चांदी की चीजें और 13 महंगी घड़ियां बरामद की जा चुकी हैं।

विशेष आयुक्त क्राइम ब्रांच रवींद्र सिंह यादव के मुताबिक सलमान, समालखा, कापसहेड़ा का रहने वाला है।

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने दबोचा टिल्लू गैंग का शूटर, साथी की हत्या के बाद से था फरार

परिवहन विशेष न्यूज

कापसहेड़ा में हुई हत्या समेत यमुनानगर (हरियाणा) के दो अन्य मामले में वांछित बदमाश सलमान को दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया है। सलमान कुख्यात गैंगस्टर सुनील मान उर्फ टिल्लू गिरोह का शूटर है। इसके पास से एक पिस्टल व चार कारतूस बरामद किए गए हैं। विशेष आयुक्त क्राइम ब्रांच रवींद्र सिंह यादव के मुताबिक सलमान समालखा कापसहेड़ा का रहने वाला है।

नई दिल्ली। कापसहेड़ा में हुई हत्या समेत यमुनानगर (हरियाणा) के दो अन्य मामले में वांछित बदमाश सलमान को दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया है। सलमान कुख्यात गैंगस्टर सुनील मान उर्फ टिल्लू गिरोह का शूटर है। इसके पास से एक पिस्टल व चार कारतूस बरामद किए गए हैं। विशेष आयुक्त क्राइम ब्रांच रवींद्र सिंह यादव के मुताबिक सलमान, समालखा, कापसहेड़ा का रहने वाला है। कापसहेड़ा में आर्म्स एक्ट व हत्या के मामले में वह वांछित था। इस मामले में उसे भगोड़ा घोषित किया जा चुका है।

सलमान पर गोली मारकर हत्या का आरोप

17 मार्च को महिला ने कापसहेड़ा थाने में शिकायत कर कहा था कि उसके बेटे धर्मेंद्र उर्फ सोनू को सलमान ने गोली मार दी, जिससे वह घायल हो गया। इलाज के दौरान धर्मेंद्र ने दम तोड़ दिया था। जांच से पता चला था कि वारदात के समय सलमान के साथ करण, रुस्तम और अफरोज भी थे।

करण, रुस्तम और अफरोज को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। सलमान मामला दर्ज होने के बाद से फरार था। एसआई अनुज छिकारा को सूचना मिली कि सलमान, गुरुग्राम के धनकोट (हरियाणा) में छिपा हुआ है।

गिरफ्तार करने के लिए बनाई गई पुलिस की टीम

डीसीपी सतीश कुमार, यशपाल सिंह व इंस्पेक्टर पवन सिंह के नेतृत्व में एसआई रविंद्र सिंह, विशाल, एएसआइ रवींद्र,

मोहन बिष्ट, हवलदार रविंदर, अश्विनी, पवन और सिपाही सोहित की टीम ने सलमान को धनकोट, गुरुग्राम से दबोच लिया। धर्मेंद्र, कापसहेड़ा में ड्रग्स का कारोबार करता था।

स्मैक बेचने को लेकर हुआ झगड़ा

सलमान व उसके सहयोगियों करण, अफरोज और रुस्तम का धर्मेंद्र से इलाके में स्मैक बेचने को लेकर झगड़ा हो गया था। इस पर उन्होंने धर्मेंद्र को खत्म करने का फैसला किया, क्योंकि वह इलाके के डॉन की तरह व्यवहार करता था। साजिश रचने के बाद चारों ने मिलकर धर्मेंद्र की गोली मार कर हत्या कर दी। गिरफ्तारी से बचने के लिए वह लगातार ठिकाने बदल रहा था।

नौकरी छोड़ने के बाद करने लगा आपराधिक काम

सलमान मूलरूप से कैराना, शामली (उत्तर प्रदेश) का रहने वाला है। 2016 में वह समालखा गांव आ गया था। पहले उसने गुरुग्राम में एमेजोन कंपनी के लिए डिलीवरी ब्वॉय के रूप में काम करना शुरू किया, लेकिन कोरोना काल में उसने नौकरी छोड़ दी और बुरी संगत में पड़ गया। इस दौरान वह करण, अफरोज और धर्मेंद्र के संपर्क में आया।

धर्मेंद्र का था दबदबा

धर्मेंद्र का इलाके में दबदबा था, वह कापसहेड़ा में स्मैक बेचने का काम करता था। 2022 में वह सुनील उर्फ टिल्लू के भाई अनिल ताजपुरिया के संपर्क में आया। इसके बाद वह टिल्लू गिरोह में शामिल हो गया। उसने उसे राजेश बवाना से बदला लेने और इसके लिए हथियार की व्यवस्था करने के लिए कहा। धर्मेंद्र की हत्या के बाद सलमान यमुनानगर चला गया, जहां उसने विजय और दीपक के साथ मिलकर गन प्वाइंट पर एक व्यक्ति के साथ लूट की। इस मामले में विजय और दीपक को हरियाणा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था, लेकिन सलमान गिरफ्तारी से बच रहा था।

नोएडा में आशियाना बनाने का मौका, अथॉरिटी ला रही नई स्कीम

अगर आप नोएडा में अपना आशियाना बनाने की सोच रहे हैं तो यह खबर आपके काम की है। दरअसल नोएडा प्राधिकरण एक आवासीय प्लॉट स्कीम ला रहा है। इस योजना के तहत प्लॉटों का आवंटन ई–नीलामी के आधार पर किया जाएगा। बता दें कि यह योजना लेफ्ट ओवर स्कीम के तहत चलाई जा रही है।

नोएडा। एनसीआर के लोग नोएडा में आशियाना बनाना चाहते हैं, तो उनके लिए नोएडा प्राधिकरण अगले माह 400 आवासीय प्लॉट की योजना लांच कर सकता है, कार्यालय में तैयारी शुरू हो गई है। योजना में नोएडा ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे के किनारे नए विकसित हो रहे आवासीय सेक्टर-151 में करीब 70 भूखंड शामिल किए गए हैं। प्लॉटों का आवंटन ई-नीलामी के आधार पर किया जाएगा।

इन सेक्टरों के लिए है प्लॉट योजना

प्राधिकरण अधिकारियों के मुताबिक, सेक्टर-151 नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे से सटा है। सेक्टर-151 के अलावा सेक्टर-31, 33, 34, 35, 43, 44, 47, 51, 52, 105, 108, 93बी में भी प्लॉटों की योजना लाई जाएगी।

सेक्टर-151
सेक्टर-31
सेक्टर-33
सेक्टर-34
सेक्टर-35
सेक्टर-43
सेक्टर-44
सेक्टर-47
सेक्टर-51
सेक्टर-52
सेक्टर-105
सेक्टर-108
सेक्टर-93बी

इन सेक्टरों में करीब 330 प्लॉट हैं। यह योजना लेफ्ट ओवर स्कीम के तहत चलाई जा रही है। प्राधिकरण की ओर से ये प्लॉट अलग-अलग वजहों से निरस्त हो चुके हैं।

कैसे कर सकते हैं आवेदन?

इस योजना में नोएडा प्राधिकरण की वेबसाइट के जरिए आवेदन किया जा सकता है। यहां पर एसबीआई पोर्टल के लिंक के जरिए योजना में पंजीकरण करा सकते हैं। 10 प्रतिशत पंजीकरण राशि जमा करनी होगी। प्राधिकरण करीब एक साल बाद आवासीय भूखंड योजना लॉन्च करने जा रहा है।

पिछले वर्ष लांच की थी स्कीम

पिछले साल 26 सितंबर को 241 भूखंड की योजना लांच की गई थी। इस योजना में 184 भूखंड के लिए ही नियमों के तहत आवेदन आए थे। इनका आवंटन अक्तूबर में किया गया। उस दौरान कई आवेदक ऊंची बोली लगाकर भूखंड लेने से पीछे हटे थे।

दर में होगी बढ़ोतरी

पिछले साल नोएडा प्राधिकरण ने आवासीय संपत्ति की श्रेणी में करीब 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी की थी, जबकि इस साल भी 6 से 10 प्रतिशत आवंटन रेट बढ़ाए। इस साल सेक्टर-14ए, 15ए और 44 के ए और बी ब्लॉक को छोड़कर बाकी जगह के आवंटन रेट में बढ़ोतरी की।

गेम लाइक और सब्सक्राइब करने के नाम पर 11 लाख की ठगी, टेलीग्राम पर मैसेज भेजकर फंसाया

परिवहन विशेष न्यूज

सेक्टर–36 स्थित साइबर क्राइम थाना में दी शिकायत दनकौर के सुमित कौशिक का कहना है कि बीते माह एक मैसेज आया। जिसमें प्रतिदिन 1500–2700 कमाने की स्कीम के बारे में बताया कि कुछ इंस्टाग्राम पेज को फालो करना है। जिससे उन्हें 50 रुपये प्रति पेज मिलेंगे। ठगों ने झांसे में लेकर 12 लाख 24 हजार 935 रुपये की ठगी कर ली।

नोएडा। सेक्टर-36 स्थित साइबर क्राइम थाना में दी शिकायत में ग्रेटर नोएडा की मोनिका सामलिया का कहना है कि वह गाजियाबाद के एक प्राइवेट अस्पताल में काम करती हैं।

बीते माह उन्हें टेलीग्राम पर मैसेज प्राप्त हुआ है कि वह एक गेम को लाइक और सब्सक्राइब कर पैसे कमा सकती है। इसके बाद उन्हें झांसे में लेकर 25 बार में 11 लाख 28 हजार 800 रुपये का निवेश करा लिया। अब उन्हें रुपये में वापस करने में आनाकानी की जा रही है। पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

वहीं सेक्टर-36 स्थित साइबर क्राइम थाना में दी शिकायत दनकौर के सुमित कौशिक का कहना है कि बीते माह एक मैसेज आया। जिसमें प्रतिदिन 1500-2700 कमाने की स्कीम के बारे में बताया कि कुछ इंस्टाग्राम पेज को फालो करना है। जिससे उन्हें 50 रुपये प्रति पेज मिलेंगे। झांसे में लेकर टेलीग्राम एप डाउनलोड कराया गया। ठगों ने झांसे में लेकर 12 लाख 24 हजार 935 रुपये की ठगी कर ली।

कस्टमर केयर अधिकारी बनकर 11 लाख ठगे

उधर, फेज-2 कोतवाली में बबीता देवी ने शिकायत दी है कि घर खरीदने के लिए किसी अन्य व्यक्ति से पांच लाख चेक लिया था। उसी के जानकारी के लिए संबंधित बैंक के पंजीकृत कस्टमर केयर पर संपर्क किया। चेक की क्रेडिट कर्न्फम करने के लिए कस्टमर केयर अधिकारी से बात की।

कस्टमर केयर अधिकारी ने कहा कि आवाज साफ नहीं आ रही है वह अपनी तरफ से फोन करता है। कुछ देर बाद उनके खाते से रुपये ट्रांसफर हो गए। जबकि उन्होंने नेट बैंकिंग का कभी भी इस्तेमाल नहीं किया और न ही अपने बैंक एटीएम कार्ड का ओटीपी शेयर किया। किसी को भी डेबिट कार्ड शेयर नहीं किया। फिर भी खाते से 11 लाख 34 हजार रुपये निकल गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बैंक के साथ 24 लाख की धोखाधड़ी

फेज-2 कोतवाली क्षेत्र की एक बैंक से खाता धारक द्वारा 24 लाख की धोखाधड़ी का मामले सामने आया है। कोर्ट के आदेश पर बैंक प्रबंधन की शिकायत पर पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

जयप्रकाश का कहना कि वह पंजाब नेशनल बैंक की भंगेल शाखा में प्रबंधक है। उनकी शाखा में बिशनपुर के एक व्यक्ति का बचत खाता है। खाता धारक ने बैंक एटीएम कार्ड रहित नकद निकासी करते हुए बैंक की शाखा से 24 लाख 40 हजार रुपये का गबन किया गया है।

फिशिंग ईमेल भेजकर 18 लाख की धोखाधड़ी

फिशिंग ईमेल भेजकर एक कंपनी से 18 लाख रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। सेक्टर-108 स्थित डीसीपी साइबर सेल को दी शिकायत में सालिटेयर इंपेक्स के धीरज बी जैन का कहना है कि एक दूसरी कंपनी के साथ व्यापार करती है। उनकी कंपनी द्वारा दूसरी कंपनी को 18 लाख का भुगतान करना था। जब संबंधित कंपनी ने भुगतान के बावजूद संपर्क किया तो ठगी का पता चला। भुगतान के बावजूद संबंधित कंपनी को भुगतान प्राप्त नहीं हुआ। जबकि संबंधित कंपनी के ईमेल से प्राप्त जानकारी पर समय के अनुसार संबंधित खाते में भुगतान कर दिया था।

छात्रों के भविष्य से खिलवाड़, बुक स्टोर से 500 नकली किताबें बरामद

परिवहन विशेष न्यूज

एसीपी कोतवाली निमिष पाटिल ने बताया कि एडवोकेट संजीव कुमार राघव ने कॉलेज बुक डिपो के संचालक अंकित कुमार के खिलाफ कॉपीराइट एक्ट में रिपोर्ट दर्ज कराई है। सभी किताबें स्कैन कर खराब कागज व स्याही से छपी हुई थीं। अंकित ने बताया कि भरत नाम का व्यक्ति नई सड़क (दिल्ली) से नकली प्रतियां लाकर उन्हें देता है।

गाजियाबाद। नकली किताबें छप कर छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ किया जा रहा है। गाजियाबाद में प्रकाशकों की टीम ने पुलिस के साथ मिलकर बजरिया में एक बुक स्टोर से 500 नकली किताब बरामद की हैं। दसवीं से लेकर तमाम प्रतियोगी परीक्षा, चिकित्सा शिक्षा और सिविल सर्विसेज की तैयारी में उपयोग आने वाली किताबों की नकली प्रतियां मिली हैं। एसीपी कोतवाली निमिष पाटील ने बताया कि एडवोकेट संजीव कुमार राघव ने कॉलेज बुक डिपो के संचालक अंकित कुमार के खिलाफ कापीराइट एक्ट में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

संजीव ने 12 सितंबर को नगर कोतवाली आकर बताया था कि वह कई प्रकाशकों की ओर से पाइरेसी रोकने के लिए अधिकृत प्रतिनिधि हैं। उन्हें पुलिस टीम के साथ बजरिया के कालेज बुक डिपो पर भेजा, जहां इंडियन पालिटी, इंडियन आर्ड एंड कल्चर, इंडिया एंड वर्ल्ड जियोग्राफी, भारत की आंतरिक सुरक्षा की मुख्य चुनौतियां, एसेंशियल्स आफ माइक्रोबायोलोजी व गणित की करीब 500 किताबें दुकान से मिलीं।

पुस्तकों पर पड़ा है असली लेखक व प्रकाशक का नाम

इन पर असली लेखक व प्रकाशक का नाम पड़ा है, लेकिन सभी किताबें स्कैन कर खराब कागज व स्याही से छपी हुई थीं। अंकित ने बताया कि भरत नाम का व्यक्ति नई सड़क (दिल्ली) से नकली प्रतियां लाकर उन्हें देता है।

भविष्य के साथ हो रहा खिलवाड़

संजीव कुमार राघव ने बताया कि स्कैन करने से गुणवत्ता गिर जाती है। इसीलिए इन किताबों में डायग्राम की शेप बिगड़ जाती है। खासकर गणित व चिकित्सा शिक्षा की नकली किताबें सही जानकारी नहीं देती हैं।

छपाई की गुणवत्ता के साथ ही संपादकीय गलतियां भी होती हैं। इसके अलावा नकली किताबें खराब कागज व स्याही के कारण इन्हें पढ़ने पर सिर दर्द करता है। लगातार पढ़ने से अक्षर धुंधले दिखाई देने लगते हैं। फोटो व नक्शा छपी किताबों की गुणवत्ता और भी खराब होती है।

25 प्रतिशत अधिक मुनाफे का लालच

संजीव ने बताया कि गाजियाबाद में करीब एक दर्जन बुक स्टोर पर नकली किताबों की सूचना मिली थी। अभी यह कार्रवाई और भी जगहों पर की जाएगी। नकली किताबें असली की कीमत में ही बिकती हैं, लेकिन बेचने वालों को मोटा मुनाफा मिलता है। प्रकाशक की मूल प्रति बेचने पर दुकानदार को करीब 40 प्रतिशत मुनाफा होता है, जबकि नकली किताबों पर अंकित मूल्य की 60-65 प्रतिशत बचत होती है।

वी क्लब गौरव भीलवाड़ा द्वारा साड़ियों का वितरण

अनूप कुमार शर्मा, भीलवाड़ा। वी क्लब गौरव भीलवाड़ा द्वारा साड़ियों का वितरण किया गया।अध्यक्ष अर्चना सोनी ने बताया कि बिहाणी पार्क में पूर्व सभापति श्रीमति मंजू पोखरना के मुख्य आतिथ्य व समाज सेवी उषा बिहाणी के सहयोग से 11 साड़यि वितरित की गई। स्वतंत्रता सैनानी फूलचन्द बिहाणी की मूर्ति को माला पहनाकर कार्यक्रम की शुरूआत की गई। महासचिव निशा सोनी ने कहा कि हमारे घर पर काम कर रही जरूरतमंद महिलाओं को अमावस्या के उपलक्ष्य में साड़ियॉ दी व साड़ियॉ पाकर महिलाऐं बहुत खुश हुयी, वो कहने लगी कि हमारे तो दीवाली पर ये साड़यि काम आ जायेगी।मंजू पोखरना ने सभी उपस्थित महिलाओं को शपथ दिलायी कि सभी वोट अवश्य दे व अपने सभी मिलने जूलने वालों से भी वोट दिलायें। साड़यि - ग्यारसी, ललिता, गीता, रेखा वैष्णव, लीला बाई, सुनिता, संगीता, पानी बाई व सुशीला को वितरित की गई। इस दौरान लीला राठी, शशि अजमेरा, उषा बिहाणी, निशा सोनी, मोनिका, सोनिका स्वर्णकार आदि उपस्थित थी।

नौ महीने की बच्ची को कार ने कुचला, मौत; वाहन लेकर चालक मौके से फरार

न्यू पालम विहार फेज–एक इलाके में बुधवार दोपहर एक तेज रफ्तार कार ने नौ महीने की बच्ची को कुचल दिया। उसे स्वजन नजदीक अस्पताल में लेकर गए जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मूल रूप से बिहार के मुंगेर जिले के गांव बगाली टोला निवासी रुपन कुमार न्यू पालम विहार फेज–एक में परिवार सहित रहकर मेहनत मजदूरी करते हैं।

गुरुग्राम। न्यू पालम विहार फेज-एक इलाके में बुधवार दोपहर एक तेज रफ्तार कार ने नौ महीने की बच्ची को कुचल दिया। उसे स्वजन नजदीक अस्पताल में लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद चालक कार सहित फरार हो गया। शिकायत के आधार पर बजघेड़ा थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। मूल रूप से बिहार के मुंगेर जिले के गांव बगाली टोला निवासी रुपन कुमार न्यू पालम विहार फेज-एक में परिवार सहित रहकर मेहनत मजदूरी करते हैं। बुधवार दोपहर दो बजे उनका छह वर्षीय बेटा गौतम अपनी नौ महीने की बहन शिंदू के साथ घर के आगे गली में बैठा था। उसी समय द्वारका एक्सप्रेस-वे की तरफ से तेज रफ्तार कार (एसयूवी, महेंद्रा) आई और शिंदू को टक्कर मार दी। आसपास के लोगों ने उसे पार्क अस्पताल में पहुंचाया, जहां कुछ ही देर बाद मृत घोषित कर दिया गया। आसपास के लोगों ने गाड़ी का नंबर नोट कर लिया था। इस आधार पर पुलिस आरोपित की पहचान कर रही है। बता दें कि गलियों में भी लोग नियंत्रण में वाहन नहीं चला रहे हैं। रफ्तार इतनी अधिक होती है कि जब तक चालक संभलते हैं तब तक हादसा हो जाता है। शहर में इस तरह के कई हादसे हो चुके हैं। इसके बाद भी लोग संभलने को तैयार नहीं।

ओएमआर शीट पर आयोजित हुई नेट परीक्षा में 85 प्रतिशत रही उपस्थिति

ग्रेटर नोएडा के चारों ब्लॉक में संचालित 511 स्कूलों में बुधवार को कक्षा एक से लेकर तीन तक के छात्रों की ओएमआर शीट पर आयोजित हुई निपुण एसेंसमेंट परीक्षा(नेट) के पहले दिन 85 प्रतिशत से अधिक उपस्थिति दर्ज की गई। कक्षा एक में 7501 छात्रों में से 6237कक्षा दो में 9700 में से 8350 और कक्षा तीन में 10456 में से 8950 छात्रों ने परीक्षा में भाग लिया।

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के चारों ब्लॉक में संचालित 511 स्कूलों में बुधवार को कक्षा एक से लेकर तीन तक के छात्रों की ओएमआर शीट पर आयोजित हुई निपुण एसेंसमेंट परीक्षा(नेट) के पहले दिन 85 प्रतिशत से अधिक उपस्थिति दर्ज की गई। कक्षा एक में 7501 छात्रों में से 6237,कक्षा दो में 9700 में से 8350 और कक्षा तीन में 10456 में से 8950 छात्रों ने परीक्षा में भाग लिया। परीक्षा सुबह नौ से साढ़े दस बजे तक हुई। परीक्षा समाप्त होने के बाद सरल एप के माध्यम से शिक्षकों ने ओएमआर शीट को अपलोड किया। स्कूलों में पर्यवेक्षक के सामने नेट परीक्षा के प्रश्न पत्र खोले गए। बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से दूसरी बार छात्रों की परीक्षा ओएमआर शीट पर कराई गई। बेसिक शिक्षा अधिकारी ऐश्वर्या लक्ष्मी ने बताया कि पहले दिन कक्षा एक से तीन के छात्रों की परीक्षा आयोजित की गई। 14 सिंतबर को कक्षा चार से आठ तक के छात्रों की परीक्षा संपन्न होगी। जिला स्तरीय टास्क फोर्स ने परीक्षा के दौरान स्कूलों का निरीक्षण किया। एआरपी और एसआरजी के साथ डायट मेंटर ने भी न्याय पंचायत स्तर पर स्कूलों का निरीक्षण किया। किसी भी स्कूल से कोई भी शिकायत नहीं मिली है।

छात्रों की शिक्षकों ने भरी ओएमआर शीट

कक्षा एक से तीन के छात्रों की ओएमआर शीट शिक्षकों की ओर से भरी गई। शिक्षकों ने छात्रों को अपने पास बुलाकर छात्रों से सवाल किए। सही जवाब देने वाले छात्रों की यूनिक आइडी के सामने गोला भरा गया। एक शीट पर तीन-चार छात्रों की परीक्षा ली गई। वहीं कक्षा चार से आठ के छात्रों की ओएमआर शीट छात्रों की ओर से भरी जाएगी।

हिंदी का भविष्य तो उज्ज्वल है, लेकिन हमारी लिपि पर बड़ा संकट मंडरा रहा है

अगर हम आंकड़ों में हिंदी की बात करें तो 260 से ज्यादा विदेशी विश्वविद्यालयों में हिंदी पढ़ाई जाती है। 64 करोड़ लोगों की हिंदी मातृभाषा है। 24 करोड़ लोगों की दूसरी और 42 करोड़ लोगों की तीसरी भाषा हिंदी है। इस धरती पर 1 अरब 30 करोड़ लोग हिंदी बोलने और समझने में सक्षम हैं।

प्रो. संजय द्विवेदी

मातृभाषा वैयक्तिक और पारिवारिक पृष्ठभूमि का बोध कराती है। समाज को स्वदेशी भाव-बोध से सम्मिलित कराते हुए वैश्विक धरातल पर राष्ट्रीय स्वाभिमान की विशिष्ट पहचान दिलाती है। किसी भी देश का विकास तभी संभव है, जब उसके पास एक सशक्त भाषा हो। हिंदी एक सशक्त भाषा है। इसकी ताकत पूरा विश्व मानता है। वर्तमान में 40 से अधिक देशों के विश्वविद्यालयों में हिंदी के पाठ्यक्रम के तहत भाषा के अलावा, भारतीय संस्कृति, इतिहास, समाज आदि के बारे में पढ़ाया जाता है। उत्तरी अमेरिका में 125 से ज्यादा हिंदी पढ़ाने वाले केंद्र हैं, जबकि रूस में 7 हिंदी शोध संस्थान हैं। अमेरिका के येन विश्वविद्यालय में वर्ष 1815 से हिंदी पढ़ाई जाती है। इसका मतलब है कि विश्व मंच पर हिंदी सदियों पहले से ही विराजमान है। हिंदी भारत की अत्यंत प्राचीन भाषा 'संस्कृत' की उत्तराधिकारिणी है। विश्व के लगभग सौ से भी ज्यादा देशों में हिंदी का या तो जीवन के विविध क्षेत्रों में प्रयोग होता है अथवा उन देशों में हिंदी के अध्ययन एवं अध्यापन की सम्यक व्यवस्था है। चीनी भाषा के बाद हिंदी विश्व में सबसे ज्यादा बोली जाती है, और जो भाषा जितने ज्यादा लोगों द्वारा बोली जाएगी, उसकी जिम्मेदारियां भी उतनी ही बढ़ जाती है।

हिंदी के महान साहित्यकार महावीर प्रसाद द्विवेदी ने वर्ष 1912 में कहा था कि देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता और उपयोगिता आज भी सिद्ध है और भविष्य में ज्ञान विज्ञान के क्षेत्र में ये विश्व की सबसे समृद्ध भाषा होगी। यानी आज से लगभग 110 वर्ष पूर्व हमारे लेखकों को ये पता था कि हिंदी, तकनीक के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने में सक्षम है। वैसे देखा जाए तो सचमुच, आज हिंदी के अच्छे दिन हैं। लाल किले की प्राचीर से लेकर संयुक्त राष्ट्र संघ तक। मगर सही मायनों में तकनीक की ताल पर हिंदी ने अपनी सधी चाल चल दी है। वह आज इतराती हुई चली है। नई पीढ़ी के साथ कदमताल करते हुए। फैशनेबल हिंदी, नई पीढ़ी के पास नए अंदाज में पहुंचती है। उसके अग्रदूत हिंदी की परंपरागत बिरादरी के लोग नहीं हैं। वे भी नहीं हैं, जो हिंदी सेवा के नाम पर अपने अलग टापू बना लेते थे। वे भी नहीं हैं, जो इसके कम पाठक-वाचक होने का रोना रोते रहते हैं। वे तकनीकी संस्थानों, प्रबंधन के संस्थानों तथा ऐसे क्षेत्रों से निकले युवा हैं, जिन्होंने तकनीक के साथ आधुनिक सूचना माध्यमों के जरिये हिंदी की लोकप्रियता को नये आयाम दिये हैं। आज से पंद्रह साल पहले जब हम हिंदी के भविष्य पर विचार करते थे, तो अनेक लोग कहते थे कि हिंदी का भविष्य तो उज्ज्वल है, लेकिन हमारी लिपि पर बड़ा संकट मंडरा रहा है, क्योंकि उस वक्त मोबाइल यूजर्स अपने संदेश भेजने के लिए रोमन लिपि पर निर्भर रहते थे। लेकिन आज यह समस्या हल हो चुकी है। हिंदी के लिए सबसे उत्साहजनक बात ट्विटर पर उसका बढ़ता प्रयोग है। आज प्रोफेसर, डॉक्टर, नेता, अभिनेता, सामाजिक कार्यकर्ता, खिलाड़ी सभी हिंदी में भी ट्वीट करते हैं और इनका अनुसरण अन्य लोग करते हैं। यह अनुप्रयोग हिंदी के लिए नई संभावनाएं पैदा करेगा। पिछले कुछ वर्षों में हिंदी के इस्तेमाल के दो और नए स्थान देखने को मिले हैं। ये हैं डीटीएच और क्रिकेट के स्कोर बोर्ड। ये दोनों स्थान हमारे सामने हिंदी को नए रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं। डीटीएच ने किसी भी चैनल के हिंदी में अनुवाद की सुविधा दे रखी है। पहले क्रिकेट की हिंदी में कमेंट्री निश्चित समय तक ही होती थी, लेकिन अब पूरा खेल हम हिंदी में सुन सकते हैं। इसके साथ ही डिस्कवरी, नेशनल जियोग्राफिक और एनिमल प्लेनेट जैसे चैनल हिंदी के दर्शकों का ज्ञानवर्द्धन कर रहे हैं। सर्वे एजेंसी स्टैटिस्टा ने वर्ष 2019 में अपनी एक रिपोर्ट में कहा था कि इंटरनेट की दुनिया में अंग्रेजी का दबदबा है। अंग्रेजी भाषा में 10 मिलियन वेबसाइट्स हैं और 53 प्रतिशत लोग पूरी दुनिया में इंटरनेट पर अंग्रेजी का इस्तेमाल करते हैं। इंटरनेट पर पूरी दुनिया में चाइनीज भाषा की उपस्थिति सिर्फ 16 फीसदी है, जबकि चाइनीज बोलने वालों की संख्या 1.3 बिलियन है। लेकिन चार वर्षों के बाद आज ये दावा गलत साबित होता दिख रहा है।

अगर हम आंकड़ों में हिंदी की बात करें तो 260 से ज्यादा विदेशी विश्वविद्यालयों में हिंदी पढ़ाई जाती है। 64 करोड़ लोगों की हिंदी मातृभाषा है। 24 करोड़ लोगों की दूसरी और 42 करोड़ लोगों की तीसरी भाषा हिंदी है। इस धरती पर 1 अरब 30 करोड़ लोग हिंदी बोलने और समझने में सक्षम हैं। 2030 तक दुनिया का हर पांचवां व्यक्ति हिंदी बोलेगा। यूएई और फिजी जैसे देशों में हिंदी को तीसरी राजभाषा का दर्जा प्राप्त है। हिंदी की देवनागरी लिपि वैज्ञानिक लिपि मानी जाती है, ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी में 18 हजार शब्द हिंदी के शामिल हुए हैं, और सबसे बड़ी बात कि जो तीन साल पहले अंग्रेजी इंटरनेट की सबसे बड़ी भाषा थी, अब हिंदी ने उसे पीछे छोड़ दिया है। गूगल सर्वेक्षण बताता है कि इंटरनेट पर डिजिटल दुनिया में हिंदी सबसे बड़ी भाषा है। गूगल, सेंसस इंडिया और आईआरएस की सर्वे रिपोर्ट के अनुसार इंटरनेट पर हिंदी की लोकप्रियता का अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि इंटरनेट पर हिंदी पढ़ने वालों की संख्या हर साल 94 फीसदी बढ़ रही है, जबकि अंग्रेजी में 17 फीसदी। इस रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2023 में हिंदी में इंटरनेट उपयोग करने वाले, अंग्रेजी में इंटरनेट इस्तेमाल करने वालों से अधिक हो जाएंगे। एक अनुमान के मुताबिक 2023 तक 24 करोड़ लोग इंटरनेट पर हिंदी का उपयोग करने लगेंगे। 2023 तक 8.7 करोड़ लोग डिजिटल पेमेंट के लिए हिंदी का उपयोग करने लगेंगे, जबकि 2016 में यह संख्या सिर्फ 2.2 करोड़ थी। सरकारी कामकाज के लिए 2016 तक 2.4 करोड़ लोग हिंदी का इस्तेमाल करते थे, जो 2023 में 9.9 करोड़ हो जाएंगे। 2016 में डिजिटल माध्यम में हिंदी समाचार पढ़ने वालों की संख्या 5.5 करोड़ थी, जो 2023 में बढ़कर 14.9 करोड़ होने का अनुमान है। तकनीक में हिंदी का प्रसार तेजी से बढ़ा है। साथ ही इंटरनेट के बढ़ते उपयोग की वजह से पूरी दुनिया एक ग्लोबल विलेज में तब्दील हो गई है। डिजिटल तकनीक ने विश्वभर में संचार क्रांति में अभूतपूर्व परिवर्तन ला दिया है। ऐसे में हिंदी में विज्ञान संचार की काफी संभावनाएं हैं, जिससे देश की बहुसंख्य हिंदी आबादी को विज्ञान की समझ उन्हीं की भाषा में दी जा सके। वैज्ञानिक जागरूकता के लिए भी हिंदी काफी प्रभावी रूप में उपयोगी है। ऑनलाइन और डिजिटल संचार माध्यम में निहित अपार संभावनाओं की वजह से यह विज्ञान संचार के किए काफी उपयोगी साबित हो सकती है। डिजिटल माध्यमों के सही उपयोग से युवा वर्ग के बीच विज्ञान का लोकप्रियकरण किया जा सकता है, साथ ही विज्ञान को सरल और सहज तरीके से जनसामान्य तक पहुंचाया जा सकता है। वर्तमान और आने वाला समय हिंदी का है। बस कुछ दकियानूसी और अदूरदर्शी सोच वाले ही हिंदी के प्रति नकारात्मक भाव व्यक्त कर रहे हैं। आज के समय में न तो हिंदी की सामग्री की कमी है और न ही पाठकों की। हिंदी का एक मजबूत पक्ष यह भी है कि यह अर्थव्यवस्था की भाषा बन चुकी है, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसकी उपयोगिता सिद्ध करने के लिए पर्याप्त है। मशहूर साहित्यकार और स्वतंत्रता सेनानी मौलाना हसरत मोहानी ने भी कहा था कि हिंदी जैसी सरल भाषा दूसरी नहीं है। इसलिए हम सबको ये प्रण लेना चाहिए कि भारतीय एकता के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हम सभी हिंदी भाषा के प्रचार एवं प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। हमें भारत को सिर्फ बीपीओ और आउटसोर्सिंग के जरिए तकनीकी विश्व शक्ति नहीं बनाना है, बल्कि उसे एक ज्ञान समाज में तब्दील करना है। तकनीक, भारत में सामाजिक परिवर्तनों तथा आर्थिक विकास का निरंतर चलने वाला जरिया बन सकती है, और हिंदी भाषा की इसमें बड़ी भूमिका होने वाली है।

-प्रो. (डॉ.) संजय द्विवेदी
पूर्व महानिदेशक, भारतीय जन संचार संस्थान, नई दिल्ली

14.74 लाख रुपये की शुरुआती कीमत में हुई एंट्री, मिलेगी 465KM तक की रेंज

इस कार में फीचर्स के तौर पर इसमें एक्सप्रेस कूलिंगऑटो डिफॉगरऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल 6 एयरबैग ISOFIX एंकरेज ABS और ESP आगे और पीछे सेंसर के साथ एक 360-डिग्री कैमरासीटबेल्ट रिमाइंडर और फ्रंट पार्किंग असिस्ट360-डिग्री कैमरे ब्लाइंड-व्यू मॉनिटर हिल डिसेंट कंट्रोल हिल एसेंट कंट्रोल मिलता है। वाहन निर्माता कंपनी ने 9 सितंबर से ही इस कार के लिए बुकिंग शुरू कर दी थी।

आखिरकार लंबे इंतजार के बाद टाटा मोटर्स ने अपनी सबसे दमदार इलेक्ट्रिक एसयूवी 2023 Tata Nexon EV facelift को भारत में 14.74 लाख (एक्स-शोरूम) की शुरुआती कीमत पर लॉन्च कर दिया है। मिड रेंज और लॉन्ग रेंज ट्रिम्स में आती है, इलेक्ट्रिक एसयूवी की कीमत 19.94 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) तक जाती है। कार को पुराने वर्जन के मुकाबले काफी नए तरीके से अपडेट किया गया है। इलेक्ट्रिक एसयूवी को नया कर्व इंस्पायर्ड डिजाइन मिला है।

लुक के साथ-साथ फीचर्स के मामले में भी इसमें बड़े बदलाव किए गए हैं। वाहन निर्माता कंपनी ने 9 सितंबर से ही इस कार के लिए बुकिंग शुरू कर दी थी। अगर आप इस कार को लेना चाहते हैं तो मात्र 21 हजार रुपए टोकन राशि देकर इसे बुक करवा सकते हैं।

2023 Tata Nexon EV facelift बैटरी

2023 Tata Nexon EV facelift SUV में जेनरेशन 2 का मोटर मिलता है। जो पहले से अधिक दमदार हो गया है। पहले के 12,000 आरपीएम से बढ़कर 16,000 आरपीएम तक चलने में सक्षम है। नया मोटर 106.4 किलोवाट (142.6 बीएचपी) और पहिये पर 2,500 एनएम का अधिकतम टॉर्क जेनरेट करता है। इसके रेंज को वाहन निर्माता कंपनी ने अब बढ़ा दिया है। बढ़ कर अब इसकी रेंज 750 आरपीएम तक की हो गई है।

2023 Tata Nexon EV facelift स्पीड

स्पीड की बात करें तो अब 0-100 किमी प्रति घंटे की स्पीड 8.9 सेकंड में पार कर सकती है। जबकि इसकी टॉप स्पीड 150 किमी प्रति घंटे की है। 2023 Tata Nexon EV facelift SUV 7.2 किलोवाट चार्जिंग के साथ आती है। यह फास्ट चार्जर के बदौलत 56 मिनट में फुल चार्ज हो सकती है। इस कार में V2L (वाहन से लोड) और V2V (वाहन से वाहन) चार्जिंग भी मिलती है।

2023 Tata Nexon EV facelift फीचर्स

Nexon.ev को तीन मुख्य ट्रिम्स - क्रिएटिव, फियरलेस और एम्पावर्ड - में लॉन्च किया गया है। इस कार में फीचर्स के तौर पर इसमें एक्सप्रेस कूलिंग, ऑटो डिफॉगर, ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल, 6 एयरबैग, ISOFIX एंकरेज, ABS और ESP, आगे और पीछे सेंसर के साथ एक 360-डिग्री कैमरा, सीटबेल्ट रिमाइंडर और फ्रंट पार्किंग असिस्ट, 360-डिग्री कैमरा, ब्लाइंड-व्यू मॉनिटर ,हिल डिसेंट कंट्रोल, हिल एसेंट कंट्रोल, पैनिक ब्रेक अलर्ट, ऑटो वाहन होल्ड और आई-टीपीएमएस, पांच स्पीकर के साथ 320 वॉट हरमन-सोर्स्ड जेबीएल साउंड सिस्टम, नया डिजिटल कंसोल मिलता है।

देश के अंदर डीजल कार, पेट्रोल कार और इलेक्ट्रिक कार में किसकी सबसे ज्यादा मांग?

देश में हर साल करीब 40 लाख पैसेंजर व्हीकल खरीदे जाते हैं। जैसा कि आपको पता है कि भारत वर्तमान में चीन और यूएसए के बाद दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल बाजार है। पैसेंजर व्हीकल सेगमेंट में डीजल की बाजार हिस्सेदारी 2013-14 में 52 प्रतिशत से घटकर इस वर्ष लगभग 18 प्रतिशत रह गई है। आइए पूरी डिटेल जानते हैं।

नई दिल्ली। आसमान छू रहे पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ रहे प्रदूषण के चलते लोग EVs की ओर रुख कर रहे हैं। हालांकि, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर दुरुस्त न होने की वजह से ICE इंजन वाली कारों को भी काफी ज्यादा संख्या में खरीदा दा रहा है।

कम कीमत और बेहतर माइलेज की वजह से डीजल, वर्तमान में वाहनों के लिए पसंदीदा फ्यूल ऑप्शन है। अपने इस लेख में हम बात करने वाले हैं कि देश की ऑटोमोबाइल बाजार में डीजल, पेट्रोल और इलेक्ट्रिक कार में किसका-कितना शेयर है।

कारों का मार्केट शेयर

देश में हर साल करीब 40 लाख पैसेंजर व्हीकल खरीदे जाते हैं। जैसा कि आपको पता है कि भारत वर्तमान में चीन और यूएसए के बाद दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल बाजार है। इतनी बिक्री होने के बावजूद भी भारत अभी उस स्थिति में नहीं पहुंचा है, जिसमें इलेक्ट्रिक वाहनों को लोग बेधड़क खरीद सकें।

वहीं, अगर कॉमर्शियल वाहनों की बात करें तो इन व्हीकल्स में देश के अंदर सबसे ज्यादा डीजल इंजन को पसंद किया जा रहा है। वहीं, पेट्रोल और हाइब्रिड कारों को भी काफी संख्या में पसंद किया जा रहा है और इनकी खरीद भी बढ़ी है।

क्या कहते हैं आंकड़े?

पैसेंजर व्हीकल सेगमेंट में डीजल की बाजार हिस्सेदारी 2013-14 में 52 प्रतिशत से घटकर इस वर्ष लगभग 18 प्रतिशत रह गई है। महिंद्रा एंड महिंद्रा अपने पोर्टफोलियो में बड़ी एसयूवी होने के कारण डीजल पर काफी हद तक निर्भर रहती है। एक रिपोर्ट के अनुसार, महिंद्रा की डीजल कारें वर्तमान में उसकी कुल बिक्री में 47 प्रतिशत का योगदान देती हैं, जो 2021 में 28 प्रतिशत से अधिक है। हुंडई अपनी बिक्री का 15.4 प्रतिशत डीजल कारों से आने के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि किआ 12.7 प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान पर है। लग्जरी सेगमेंट में डीजल कारों की हिस्सेदारी भी 2021 में 31 फीसदी से बढ़कर इस साल 33 फीसदी हो गई है। मारुति देश की इकलौती कार कंपनी है, जो केवल पेट्रोल इंजन वाली कारें सेल करती है।

एक सेकंड से भी कम समय में पकड़ती है 0 से 100 किमी प्रति घंटा की रफ्तार, क्या यह है दुनिया की सबसे तेज ईवी

क्या आप बता सकते हैं दुनिया की सबसे तेज इलेक्ट्रिक कार कौन सी है? आपको बता दें कि यह कोई जर्मन कार नहीं है। वास्तव में, कोई भी स्थापित ईवी निर्माता इसकी रफ्तार की बराबरी नहीं कर सकता है। यहां तक कि बुगाटी और फेरारी जैसी हाइपरकार बनाने वाली कंपनियां भी नहीं। इसे स्विट्जरलैंड के छात्रों के एक समूह द्वारा विकसित और निर्मित किया गया है। उन्होंने एक रेसिंग ट्रैक पर इसके एक्सीलरेशन की टेस्टिंग की। उन्होंने 0 से 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार तक पहुंचाने में सिर्फ 0 .956 सेकंड के आश्चर्यजनक समय का आंकड़ा हासिल किया। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने भी रेसिंग कार प्रोटोटाइप को सबसे तेज इलेक्ट्रिक वाहन के रूप में मान्यता दी है।

यह रिकॉर्ड इस महीने स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख के एक उपनगर डुबेंडोर्फ में बनाया गया था। स्विस फेडरल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी ज्यूरिख (ETHZ) (ईटीएचजेड) और ल्यूसर्न यूनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंसेज के छात्रों के समूह ने एक छोटी कार्यशाला में Mythen (माइथेन) नाम का इलेक्ट्रिक रेसिंग कार प्रोटोटाइप विकसित किया। छात्र एकेडमिक मोटरस्पोर्ट्स क्लब ज्यूरिख नामक समूह का भी हिस्सा हैं। माइथेन एक छोटी कार है, लगभग एक गो-कार्ट के आकार की, जिसका वजन सिर्फ 140 किलोग्राम है। माइथेन को विकसित करने के लिए छात्रों ने हल्के कार्बन और एल्यूमीनियम हनीकॉम्ब स्ट्रक्चर का इस्तेमाल किया। उन्होंने एक चार-पहिया हब इलेक्ट्रिक मोटर भी विकसित की है जो अधिकतम 326 hp का पावर जेनरेट कर सकता है। इस कार को नए सिरे से विकसित करने में लगभग 30 छात्रों को 12 महीने का समय लगा। प्रिंटेड सर्किट बोर्ड से लेकर चेसिस और बैटरी तक, ईवी के हर कंपोनेंट को डुबेंडोर्फ में एक कार्यशाला में छात्रों द्वारा विकसित किया गया था।

कार को टेस्ट रन के लिए कोई फैंसी रेस ट्रैक या रनवे नहीं मिला था। माइथेन की टेस्टिंग स्विट्जरलैंड इनोवेशन पार्क में की गई थी, जो उस कार्यशाला के ठीक बगल में है जहां इस कार को बनाया गया था। यह एक गोली की तरह चली और दुनिया की सबसे तेज इलेक्ट्रिक कार बन गई। माइथेन ने स्टार्ट लाइन से 12.3 मीटर के भीतर 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार को एक सेकंड से भी कम समय में हासिल कर लिया।

मारुति की बलेनो से लेकर सिआज तक, इन कारों पर मिल रहा है 65 हजार तक का बंपर डिस्काउंट

कंपनी अपने कुछ चुनिंदा मॉडल पर भारी छूट दे रही है। इसमें शामिल बलेनो इग्निस सियाज जैसी गाड़ियां हैं। हालांकि कंपनी की ओर से फ्रॉंक्स, जिमनी, ग्रेंड विटारा जैसे मॉडल पर अभी कोई छूट नहीं मिल रही है। मारुति सुजुकी सियाज के सभी वेरिएंट्स पर वाहन निर्माता कंपनी लगभग 48 हजार रुपये तक की छूट दे रही है। ये कार 1.5 लीटर पेट्रोल इंजन के साथ आती है।

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में मारुति सबसे अधिक कारों की सेल करने वाले कंपनी में से एक है ।आपको बता दें ,अगर आप इस सितंबर अपने लिए मारुति की एक नई कार खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं तो यह आप लोगों के लिए एक सुनहरा मौका हो सकता है। क्योंकि कंपनी अपने कुछ चुनिंदा मॉडल पर भारी छूट दे रही है। इसमें शामिल बलेनो ,इग्निस, सियाज जैसी गाड़ियां हैं। हालांकि कंपनी की ओर से फ्रॉंक्स, जिमनी, ग्रेंड विटारा जैसे मॉडल पर अभी कोई छूट नहीं मिल रही है।

मारुति सुजुकी इग्निस

भारतीय बाजार में यह मॉडल मैन्युअल गियर बॉक्स के साथ आता है। इस महीने वाहन निर्माता कंपनी 65000 तक की छूट इस कार पर दे रही है। इसके साथ ही इसके ऑटोमेटिक ट्रांसमिशन मॉडल पर 55000 तक की छूट कंपनी दे रही है। आपको बता दे यह नेक्सा लाइनअप में सबसे सस्ता प्रोडक्ट भी है। इस कार की एक्स शोरूम कीमत 5.84 लाख रुपये से 8.16 लाख है। इसमें 1.2 लीटर का पेट्रोल इंजन, मिलता है जो 83 bhp की पावर जनरेट करता है। इसमें 5 स्पीड का मैनुअल और 5-स्पीड एएमटी गियरबॉक्स का ऑप्शन मिलता है।

मारुति सुजुकी बलेनो

इंडियन मार्केट में आते ही लोगों को यह कार काफी अधिक पसंद आ गई। मारुति सुजुकी बलेनो के पैट्रोल मैन्युअल ऑटोमेटिक और सीएनजी वेरिएंट पर इस महीने एक्सचेंज ऑफर के साथ-साथ 35000 तक की छूट दे रही है। अगर आप इसे 2 से 19 सितंबर के बीच बुक करते हैं तो आपको 5000 तक का फेस्टिवल डिस्काउंट भी मिलेगा। इसमें 1.2 लीटर का पेट्रोल इंजन मिलता है। जो 90hp का पावर जनरेट करता है। ये 5-स्पीड मैनुअल या 5-स्पीड AMT गियरबॉक्स के साथ आती है।

मारुति सुजुकी सिआज

मारुति सुजुकी सियाज के सभी वेरिएंट्स पर वाहन निर्माता कंपनी लगभग 48 हजार रुपये तक की छूट दे रही है। ये कार 1.5 लीटर पेट्रोल इंजन के साथ आती है। जो 105 hp की पावर देती है। इसे 5 स्पीड मैनुअल और 4 स्पीड टॉर्क कनवर्टर ऑटोमेटिक गियरबॉक्स के साथ आती है।

सफलता का फार्मूला

पीके खुराना

लिखने से बहुत सी बातें खुद-ब-खुद स्पष्ट हो जाती हैं क्योंकि तब हमारा दिमाग एक ही विषय पर फोकस करता है। इससे कई नए आइडिया आते चलते हैं। इस तरह हम खुद अपना मार्गदर्शन करते हैं और समस्या का समाधान ढूंढ लेते हैं। पढऩे में यह जितना आसान लग रहा है, यह सचमुच इतना ही आसान है भी, बस शुरुआत की देर है। एक बार जब आप समस्याओं से पार पाने के लिए यह तरीका अपना लेते हैं तो समस्याओं के हल ढूंढना इतना आसान हो जाता है कि आप किसी भी समस्या का हल ढूंढ सकते हैं, किसी की भी समस्या का हल ढूंढ सकते हैं, नैया को मंझधार से निकाल सकते हैं। खुद सफल हो सकते हैं, अपने आसपास के लोगों की सफलता में सहायक हो सकते हैं। सफलता का यह आजमाया हुआ फार्मूला है और इस फार्मूले की सफलता में कोई संदेह न है, न हो सकता है'

जीवन बहुत आसान नहीं है। खासकर तब, जब हमें कोई राह न सूझ रही हो। मन चारों ओर भटक रहा हो और कोई रास्ता दिखाई न देता हो। जब हम स्वयं को विवश महसूस कर रहे हों तो लगता है कि हम उड़ सकते थे, लेकिन किसी ने हमारे पंख काट डाले हैं। जब हम फंसा हुआ महसूस करें तो ऐसा ही होता है और हमारे सारे प्रयत्न विफल होते नजर आते हैं। क्या करना चाहिए तब? कैसे निकल सकते हैं ऐसी विषम स्थिति से?

जीवन बहुत आसान नहीं है। खासकर तब, जब हमें कोई राह न सूझ रही हो। मन चारों ओर भटक रहा हो और कोई रास्ता दिखाई न देता हो। जब हम स्वयं को विवश महसूस कर रहे हों तो लगता है कि हम उड़ सकते थे, लेकिन किसी ने हमारे पंख काट डाले हैं। जब हम फंसा हुआ महसूस करें तो ऐसा ही होता है और हमारे सारे प्रयत्न विफल होते नजर आते हैं। क्या करना चाहिए तब? कैसे निकल सकते हैं ऐसी विषम स्थिति से? याद रखिए, जीवन में समस्याएं तो सबको आती हैं, लेकिन जो व्यक्ति शांत रहकर समस्याओं का निवारण करता है, वही जीवन में सफल होता है। जीवन कठिन तब लगता है जब व्यक्ति स्वयं को बदलने के बजाय परिस्थितियों को बदलने का प्रयास करता है। दरअसल, हम आधारभूत गलती ही यह करते हैं कि हम बाहरी स्थितियों से प्रभावित होकर पहल करने की अपनी शक्ति गंवा बैठते हैं या यह मान लेते हैं कि हमारे पास पहल करने की शक्ति है ही नहीं, जबकि वस्तुस्थिति इसके बिल्कुल विपरीत होती है। राह पथरीली हो तो हम सारे रास्ते पर कालीन नहीं बिछा सकते, पर हम जूते पहन सकते हैं ताकि वे पत्थर हमें न चुभें। उसी तरह जब स्थितियां विपरीत हों तो हमें यह देखना होता है कि हम अपने अंदर क्या बदलाव लाएं, क्या नए हुनर सीखें, किससे सहायता मांगें ताकि हम अपने लक्ष्य तक पहुंच सकें। जब हम यह निश्चय कर लेते हैं कि हमने कोई काम करना है तो हमारा दिमाग खुद-ब-खुद रास्ते की अड़चनों पर फोकस करने के बजाय उनके संभावित समाधान के बारे में सोचने लगता है और रास्ते निकाल लेता है, लेकिन अगर हम अड़चनों पर फोकस करें तो हमें अड़चनें इतनी बड़ी लगने लगती हैं कि हम डर कर बैठ जाते हैं और कुछ भी नहीं कर पाते।

डर के कारण जड़ता आती है, निष्क्रियता आती है और हम अपनी असफलता सुनिश्चित कर लेते हैं। इसके विपरीत जब हम समस्या के समाधान तलाशने की कोशिश करते हैं तो हमारा दिमाग सोचने लगता है और बहुत बार कोई न कोई रास्ता निकल आता है। कभी-कभार यह संभव है कि राह देर से मिले, समाधान एकदम न मिले, लेकिन तब भी हम पर निराशा नहीं हावी होती क्योंकि हम उम्मीद नहीं छोड़ते। सफलता और असफलता के बीच बस यही एक फर्क है। जब कभी भी हमें लगे कि हम फंस गए हैं, मंझधार में हैं, तूफान में घिर गए हैं, तो निराश होने के बजाय समाधान ढूंढने की कोशिश करनी चाहिए। इस संबंध में मैं एक छोटा सा फार्मूला याद रखने की अनुशंसा करता हूं और वह फार्मूला ऐसा है जिसे अंग्रेजी वर्णमाला के छह अक्षरों से याद रखा जा सकता है। इस फार्मूले के वे अक्षर हैं- बी, ई, डी, ओ, ए और आर। पहले तीन अक्षर बी, ई, डी हमारी वर्तमान स्थिति के सूचक हैं। बी, ई, डी यानी बेड, यानी बिस्तर। जब हम बी, ई, डी की स्थिति में होते हैं तो हम बिस्तर पर हैं, यानी नींद में हैं, निष्क्रिय हैं, जड़ता की स्थिति में हैं। यहां बी से बनता है ब्लेम, यानी दोषारोपण। हम स्थितियों को दोष देते हैं, दूसरे व्यक्तियों को दोष देते हैं, अपनी किस्मत को, गरीबी को, साधनहीनता को दोष देते हैं। ई से बनता है एक्सक्यूज, यानी बहानेबाजी। अपनी अकर्मण्यता दूर करने के बजाय हम बहाने गढ़ लेते हैं। डी से होता है डिनायल, यानी वस्तुस्थिति को समझने और स्वीकार करने से इन्कार। ये तीन प्रवृत्तियां हैं, मनोदशाएं हैं जिनके कारण हम अड़चनों से डर जाते हैं और निष्क्रिय होकर बैठ जाते हैं, मानो हम बेड पर, यानी बिस्तर पर गहरी नींद में सो रहे हों। अब हम इसी फार्मूले के बाकी तीन अक्षरों पर आते हैं। ये तीन अक्षर हैं ओ, ए और आर। ओ, ए, आर, यानी ओर, यानी चप्पू, पतवार। जब नाव मंझधार में हो तो पतवार के सहारे हम उसे किनारे पर लाने की कोशिश करते हैं। ओ से बनता है, ओनरशिप यानी, किसी भी अड़चन को दूर करने का काम मेरा है, सपने मेरे हैं तो पूरा करने का यत्न भी मैं ही करूंगा, मेरे लिए कोई मसीहा नहीं आएगा, अपना मसीहा मैं खुद हूं। ए से बनता है अकाउंटेबिलिटी, यानी जवाबदेही। अगर अड़चनें हैं और मैं उन्हें दूर नहीं कर पा रहा हूं तो जवाबदेही मेरी है। आखिरी अक्षर है आर, जिससे बनता है रेस्पांसिबिलिटी, यानी जिम्मेदारी। इसका मतलब है कि अड़चनों से बाहर निकलने की जिम्मेदारी भी मेरी है। जब हम यह समझ लेते हैं तो निष्क्रियता दूर हो जाती है, जड़ता दूर हो जाती है और हम प्रयत्नशील हो जाते हैं। परिणाम यह होता है कि देर-सवेर समस्या का हल निकल आता है। मेरे इस फार्मूले में जड़ता दिखाने वाले तीन अक्षर हैं- बी, ई, और डी। और समाधान की ओर ले जाने वाले भी तीन ही अक्षर हैं- ओ, ए और आर। अब हम समाधान की ओर ले जाने वाले अक्षरों का कुछ और विश्लेषण करेंगे। इनमें पहला अक्षर है ओ, यानी ओनरशिप, यानी यह स्वीकार करना कि सपने मेरे हैं तो अड़चनों को दूर करने का काम भी मेरा ही है। दरअसल, सफलता का पूरा मंत्र इसी एक अक्षर में समाया हुआ है। जब मान लिया कि यह काम मेरा है तो इसका पहला चरण है यह सोचना कि मैं एक अकेला ऐसा क्या काम करूं कि यह अड़चन दूर हो जाए। इसका दूसरा चरण है कि वह काम मैं कब करूंगा जो इस अड़चन को दूर कर सके।

इसका तीसरा चरण है कि मैं और क्या कर सकता हूं जो मुझे इस अड़चन से पार पाने में सहायक है। इसका चौथा और सर्वाधिक महत्वपूर्ण चरण है कि हम कागज-पेन लें, और सभी संभावित अड़चनों की लिस्ट बनाएं। यह बहुत जरूरी है कि हम लिस्ट लिखित में बनाएं। फिर हम उनके संभावित समाधानों की लिस्ट बनाएं, फिर हम यह लिखें कि हम कौनसा ऐसा काम कर सकते हैं जो हमें समस्या के समाधान के नजदीक ले जा सकता है, फिर यह लिखें कि वह काम हम कब तक खत्म कर लेंगे। याद रखिए, समस्या के समाधान का पहला चरण यह है कि हम समस्या को कागज पर लिखें। लिखने से बहुत सी बातें खुद-ब-खुद स्पष्ट हो जाती हैं क्योंकि तब हमारा दिमाग एक ही विषय पर फोकस करता है। इससे कई नए आइडिया आते चलते हैं। इस तरह हम खुद अपना मार्गदर्शन करते हैं और समस्या का समाधान ढूंढ लेते हैं। पढऩे में यह जितना आसान लग रहा है, यह सचमुच इतना ही आसान है भी, बस शुरुआत की देर है। एक बार जब आप समस्याओं से पार पाने के लिए यह तरीका अपना लेते हैं तो समस्याओं के हल ढूंढना इतना आसान हो जाता है कि आप किसी भी समस्या का हल ढूंढ सकते हैं, किसी की भी समस्या का हल ढूंढ सकते हैं, नैया को मंझधार से निकाल सकते हैं। खुद सफल हो सकते हैं, अपने आसपास के लोगों की सफलता में सहायक हो सकते हैं। सफलता का यह आजमाया हुआ फार्मूला है और इस फार्मूले की सफलता में कोई संदेह न है, न हो सकता है।

हैपीनेस गुरु, गिन्नीज विश्व रिकार्ड विजेता

संपादक की कलम से

नई ऊर्जा का दौर

प्रधानमंत्री मोदी और सऊदी अरब के युवराज एवं प्रधानमंत्री मुहम्मद बिन सलमान के दरमियान कई समझौता-दस्तावेजों पर दस्तखत किए गए। वे द्विपक्षीय वार्ता के निष्कर्ष थे, लेकिन उनमें नवीकरणीय ऊर्जा का समझौता बेहद महत्वपूर्ण और प्रासंगिक माना जा रहा है। यदि दुनिया के पर्यावरण को छलनी होने से बचाना है, तो कार्बन उत्सर्जन पर लगाम लगानी होगी। पृथ्वी के तापमान को कम करना होगा, लिहाजा हरित और स्वच्छ ऊर्जा की प्राथमिकता बनानी होगी। सऊदी अरब भारत का भरोसेमंद और बड़ा कारोबारी साझेदार है। हमें तेल और गैस मुहैया कराने वाला तीसरा सबसे बड़ा देश है। बीते साल 4.3 लाख करोड़ रुपए का कारोबार किया गया है। करीब 24 लाख भारतीय सऊदी अरब में कार्यरत हैं। करीब 2700 भारतीय कंपनियां वहां काम कर रही हैं। भारतीय कई कंपनियों के सीईओ (मुख्य कार्यकारी अधिकारी) भी हैं। बीते साल करीब 1.75 लाख भारतीय हज के लिए वहां गए। सऊदी अरब एक प्रगतिशील देश बन रहा है। वहां सिनेमा पर थोपी गई पाबंदियां हटा ली गई हैं। अरबी औरतें कार चलाती हैं। बुर्के की बंदिशें जबरन नहीं हैं। भारत ने अमरीका और सऊदी अरब के संबंधों को सामान्य कराया है। दोनों देश प्रतिबद्ध हैं कि चीन 'अड़ंगेबाज' न बन सके।

नवीकरणीय ऊर्जा समय की दरकार है और एक मजबूत, साबित विकल्प भी है। भारत और सऊदी अरब के बीच समझौता हुआ है कि वे नवीकरणीय ऊर्जा की क्षमताओं का विस्तार करेंगे। सऊदी अरब ने लक्ष्य तय किया है कि वह 2030 तक अपनी कुल ऊर्जा का 50 फीसदी हिस्सा नवीकरणीय ऊर्जा का रखेगा। भारत में इस ऊर्जा का 2022 में उत्पादन 175 गीगावाट था। अब 2030 तक उसे बढ़ा कर 450 गीगावाट किया जाएगा। एक गीगावाट 1000 मेगावाट के बराबर होता है। अर्थात हम 4.5 लाख मेगावाट अतिरिक्त ऊर्जा पैदा करने की स्थिति में होंगे। इसका अधिकांश भाग 'सौर ऊर्जा' का होगा, जो हमें सूर्य के प्रकाश से सहज सुलभ है। हम विश्व सौर गठबंधन देशों के सदस्य भी हैं। भारत वैश्विक स्तर पर नवीकरणीय ऊर्जा के सूत्रधार की भूमिका में है। देश में तो घरों की छत तक पर सौर प्लांट लगाए जा रहे हैं। भारत-अरब देशों में संभावनाएं ये भी जताई जा रही हैं कि दोनों देशों के 'नेशनल ग्रिड' समंदर के नीचे एक इंटरलिंक के जरिए जोड़े जा सकते हैं, नतीजतन ऊर्जा दोनों देशों को निरंतर उपलब्ध होगी। दोनों देशों ने अपने पारंपरिक स्रोतों के जरिए नवीकरणीय ऊर्जा के उत्पादन पर महत्वपूर्ण प्रयास जारी रखे हैं। यह नए दौर की जरूरतों के लिए नए अनुसंधान माने जा सकते हैं। एक अनुमान यह भी सामने आया है कि अगले साल तक नवीकरणीय ऊर्जा की वैश्विक क्षमता करीब 4500 गीगावाट तक बढ़ सकती है। यह अमरीका और चीन की साझा क्षमता से दोगुनी होगी। बहरहाल राज्यवार नवीकरणीय ऊर्जा का विकास और बढ़ोतरी फिलहाल असमान है। यह गंभीर चुनौती भी है। चूंकि नई ऊर्जा के भंडारण की लागत काफी है, लिहाजा वह आकर्षक नहीं है।

राज्यों में ऊर्जा की 'चरम मांग' की स्थितियां भी भिन्न हैं। बेशक भारत में नवीकरणीय ऊर्जा का विस्तार लगातार हो रहा है और 2030 तक क्षमताएं खूब बढ़ जाएंगी। यदि वैश्विक स्तर पर नवीकरणीय ऊर्जा की क्षमताओं में बढ़ोतरी होती रहती है, तो देशों के 'नेशनल ग्रिड' को जोडऩा किफायती होगा। भारत-अरब के प्रयोगों से स्थितियां और आर्थिक पहलू स्पष्ट होंगे। बैटरियों के जरिए ऊर्जा भंडारण की प्रौद्योगिकी में भी तेजी से सुधार हो रहे हैं, लेकिन व्यापार करने वाले देशों को सावधान और सतर्क रहना पड़ेगा कि प्रौद्योगिकी का दुरुपयोग न किया जाए। बहरहाल भारत और सऊदी अरब के बीच समझौते से उम्मीद की किरण दिखाई दे रही है कि नवीकरणीय ऊर्जा का भविष्य उजला है। दोनों देशों ने रक्षा, पर्यटन, व्यापार समेत कई क्षेत्रों में समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं, लेकिन नवीकरणीय ऊर्जा और ग्रिड को जोडऩे की सोचना वाकई अभिनव शुरुआत है। आतंकवाद पर भी भारत के रुख से सऊदी अरब को सहमत होना चाहिए। वास्तव में आतंकवाद पूरे विश्व के लिए ही एक बड़ा खतरा है, अतः सऊदी अरब को भारत की चिंताओं से सरोकार होना चाहिए। भारत को यह कोशिश करनी चाहिए कि सऊदी अरब पाकिस्तान को सीमा पार आतंकवाद फैलाने से रोके।

राय

हिंदी क्लब में हिमाचल

हिंदी भाषा में राष्ट्र को दूर तक देखने के नजरिए से हिमाचल के सरोकार अभिलषित जरूर हुए, लेकिन क्या यह भाषा राज्य के सपनों में भी आई। बेशक सियासत ने अपना काम किया, पूर्व मुख्यमंत्री शांता कुमार ने अपना नाम किया, लेकिन हिंदी राज्य बनकर भी यहां शिक्षा से भविष्य तक अंग्रेजी में सपने देखे जाते हैं। यह दीगर है कि सृजन की दुनिया में हिंदी के हिमाचली लेखकों ने पहाड़ के दर्द, पहाड़ के हर मर्ज और पहाड़ की पीढियों को साहित्य की विविधता और गहराई में झांकने का एक मुकम्मल भाषायी योगदान एवं ओजस्वी श्रमदान सौंपा। इस दौरान लेखन कार्य खूब होने लगा है और इसलिए हिमाचल के अस्तित्व में आने की जिरह और विस्तृत होने की वजह कम हो गई। कुछ लेखकों ने आंचलिक बोलियों को हिंदी की रंगोली में सजाया, लेकिन हिमाचली भाषा के सारे स्रोत व रंग ढके ही रह गए। हिमाचल के सांस्कृतिक पक्ष को मजबूत करने के लिए जिस तरह के प्रादेशिक सरोकार चाहिए थे, उनके खिलाफ अनेक कारणों से गोलबंदी हुई और 'न तेरा, न मेरा' के अहंकार ने उस संभावना को रद्द करना शुरू कर दिया जो हिमाचल की विशालता में पहाड़ की भाषा को संगठित व परिमार्जित कर पाती। आश्चर्य यह है कि हिंदी चुनते-चुनते हमने अपने ही लोकसाहित्य की मूल भावना को खूंटी पर टांग दिया। भाषायी मामले में हिमाचल का दोगलापन राष्ट्रीय भाषा के आलोक में भी स्पष्ट होता है, जहां कुछ साहित्यिक कतारें खुद को देश से संबद्ध करने की मर्दानगी दिखाती हैं, तो कुछ अपने पदों के हिसाब से भाषा के संपर्क सूत्र बनकर हिंदी साहित्य के बड़े नामों से खुद को जोड़ते रहे।

क्या हिमाचल का हिंदी साम्राज्य 'दक्खिनी हिंदी' के जगत के बराबर हो गया या मुगालतों में हिंदी राज्य बनकर हमने अपनी ही बोलियों के हाशिए चुन लिए हैं। हिमाचल बनने से पहले भाषा के विषय हमारे नजदीक थे, लेकिन अब एक दुर्ग है भाषा। पूर्व में जब हिमाचल कुछ रियासतों से जुडक़र भाषायी मसले को संबोधित कर रहा था, तो उर्दू का प्रयोग केवल कलम नहीं, दिल और जुबान के रिश्तों को सुकून दे रहा था। इसी तरह पंजाब में रह गए पर्वतीय क्षेत्रों ने पंजाबी के गीत-संगीत और सांस्कृतिक परंपराओं से भाषा की रुहानियत सीखी। जिस पंजाबी भाषा के सुर हिमाचल के सत्तर फीसदी इलाके की बोलियों से मिल कर ताल बनाते हैं, उसे हम अब हिमाचली भाषा के उद्गम से दूर रखना चाहते हैं। पंजाबी ने तो अपनी संरचना में बिलासपुर और कुछ मंडी की बोलियों को भी अपने साथ मिला कर बड़ा किया, लेकिन जब हिमाचली भाषा का प्रश्न आता है, तो हम इसे तथा इसके नजदीक तमाम पहाड़ी बोलियों को अछूत बनाना चाहते हैं। क्या पंजाब ने हिंदी साहित्य को पंजाबी से मजबूत नहीं किया और अगर हम हिमाचली भाषा के श्रृंगार को एक सूत्र में पिरोकर सृजन करें, तो क्या प्रदेश में हिंदी साहित्य की अपनी धार और विशिष्टता नहीं होगी। हिंदी के लिए हिमाचली भाषा का समावेश भारत के परिप्रेक्ष्य में लाजिमी तौर पर अपनी ऊर्जा का संचार करेगा। हम अगर पहले हिमाचली होकर नहीं सोचेंगे, तो हिंदी में कैसे जी पाएंगे। इसीलिए हिंदी राज्य होते हुए भी हिमाचल के सपने विशुद्ध अंग्रेजी हैं और यह संदेश युवा पीढ़ी के व्यक्तित्व में प्रवेश कर चुका है। भले ही हिमाचल को हिंदी का तमगा लगाकर हम देश के हिंदी क्लब में शरीक हैं, लेकिन प्रदेश का भाषायी अधूरापन हमें अपने व्यवहार, सरोकार व सृजन में दिखाई देता है। कम से कम हम उस वजह को नजरअंदाज जरूर कर रहे हैं, जिसके कारण हिमाचल पर्वतीय संस्कृति का अनूठा संगम, संघर्ष और सौहार्द बना।

निखिल शर्मा

भावनात्मक एकता में बांधती है हिंदी

संस्कृत भाषा का स्थान धीरे-धीरे हिन्दी लेने लगी है। किसी भी राष्ट्र की पहचान प्रधानता तीन बातों से होती है। यह तीन बातें राष्ट्रध्वज, राष्ट्रगान और राष्ट्रभाषा हैं। इन तीनों में ही राष्ट्रभाषा सर्वोपरि है जो समस्त देशवासियों को एकता के सूत्र में पिरोती है। हिंदी हमारे देश की राष्ट्रीय भाषा, भावात्मक एकता, अखंडता और राष्ट्रीय एकता की भाषा है। यह देशवासियों को एकता में जोड़ती है। भौगोलिक और सांस्कृतिक विविधताओं से भरे भारतवर्ष को संगठनात्मक एकता में संगठित करती है। हिंदी ही भारतीयों के सांस्कृतिक जागरण और राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन की भाषा रही है। यह राष्ट्र की सामाजिक, सांस्कृतिक से लेकर देश की अस्मिता तक की पहचान है। हिंदी से ही हमारा साहित्य लोक साहित्य अनुप्रणीत है। इससे ही हम अपना सुख-दुख बांट पाते हैं। भावों की वाटिका और जीवन का साथी है। प्रगति की प्रेरणा है। इसमें जीवन के तत्व छिपे हैं'

समाज में एकता के लिए भाषा का माध्यम अनिवार्य अंग है। जिस देश में राष्ट्रीय सहानुभूति के लिए भाषा का आशीर्वाद नहीं होता वहां जातीय जीवन के लक्षण परिलक्षित नहीं होते। जहां विचार विनिमय की एकता का साधन भाषा एक नहीं अपितु अनेक रूपों में उपलब्ध हो वहां एकता संजोने में कठिनाई हो सकती है। एक विचार शैली, एक विचारधारा, एक भाषा से ही अद्भुत होती है। इसकी अनेकता समाज की अनवरत अवनती का कारण है। संसार के सभी राष्ट्रों में उन्नत भाषा की दो शैलियां परलक्षित होती हैं। इनमें से एक साहित्यिक भाषा है और दूसरी व्यावहारिक। यदि हम अपने देश के प्राचीन इतिहास को लें, तो उसमें भी दो शैलियां प्रचलित रही हैं। एक उनकी साहित्यिक भाषा संस्कृत थी और व्यावहारिक भाषा नाना प्रकार की प्राकृतिक उपभाषाएं थी। कालक्रम से वह प्राकृतिक उपभाषाएं वर्तमान जान भाषा में परिवर्तित होकर महत्व प्राप्त करने लगी और धीरे-धीरे संस्कृत गौण हो गई।

इस संस्कृत भाषा का स्थान धीरे धीरे हिन्दी लेने लगी है। किसी भी राष्ट्र की पहचान प्रधानता तीन बातों से होती है। यह तीन राष्ट्रध्वज, राष्ट्रगान और राष्ट्रभाषा हैं। इन तीनों में ही राष्ट्रभाषा सर्वोपरि है जो समस्त देशवासियों को एकता के सूत्र में पिरोती है। हिंदी हमारे देश की राष्ट्रीय भाषा भावात्मक एकता, अखंडता और राष्ट्रीय एकता की भाषा है। देशवासियों को एकता में जोड़ती है। भौगोलिक और सांस्कृतिक विविधताओं से भरे भारतवर्ष को संगठनात्मक एकता में संगठित करती है। हिंदी ही भारतीयों के सांस्कृतिक जागरण और राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन की भाषा रही है। यह राष्ट्र की सामाजिक, सांस्कृतिक से लेकर देश की अस्मिता तक की पहचान है। हिंदी से ही हमारा साहित्य लोक साहित्य अनुप्रणीत है। इससे ही हम अपना सुख-दुख बांट पाते हैं। भावों की वाटिका और जीवन का साथी है। प्रगति की प्रेरणा है। इसमें जीवन के तत्व छिपे हैं। इतिहास, परंपरा, संस्कृति और धर्म दर्शन अपनी भाषा हिंदी से भरे हैं। भारत की संविधान सभा ने 14 सितंबर 1949 को भारत गणराज्य की आधिकारिक भाषा के रूप में हिंदी को अपनाया, हालांकि इसे 26 जनवरी 1950 का देश के संविधान द्वारा आधिकारिक भाषा के रूप में इस्तेमाल करने के विचार को मंजूरी दी गई। हर वर्ष देश 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाता है क्योंकि 1950 के अनुच्छेद 343 के तहत इस दिन भारत के संविधान सभा ने देवनागरी लिपि में लिखी गई हिंदी भाषा को भारत गणराज्य की आधिकारिक भाषा के रूप में हिंदी को अपनाया। तब से लेकर हिंदी भाषा की यात्रा निरंतर प्रगति की ओर बढ़ रही है। हिंदी सिनेमा, साहित्य, योग, कथा प्रवचन कारों की मदद से हिंदी विदेशों में भी अपना अस्तित्व बनाने में कामयाब हुई है और इसे इक्कीसवीं सदी की भाषा के रूप में जाना जाने लगा है। इसकी लोकप्रियता को देखकर अनेक विदेशी अंग्रेजी चैनलों ने अपना हिंदी में प्रसारण प्रारंभ किया है। हिंदी विश्व की चौथी ऐसी भाषा है जिसे सबसे ज्यादा लोग बोलते हैं। ताजा आंकड़ों के मुताबिक वर्तमान में भारत में 44 फीसदी लोग हिंदी भाषा बोलते हैं। पूरे विश्व की बात करें तो दुनिया में तकरीबन 80 करोड़ लोग ऐसे हैं जो उसे बोल या समझ सकते हैं। भारत के बाहर हिंदी जिन देशों में बोली जाती है उनमें पाकिस्तान, भूटान, नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका, मालदीव, म्यांमार, इंडोनेशिया, सिंगापुर, थाईलैंड, चीन, जापान, ब्रिटेन, जर्मनी, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, मॉरीशस, यमन, युगांडा और कनाडा आदि देश शामिल हैं।

12वां विश्व हिंदी सम्मेलन नाडी फीजी में 15 से 17 फरवरी 2023 को फीजी सरकार के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसका मुख्य विषय 'हिंदी पारंपरिक ज्ञान से कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक' था। पूर्ण सत्र में इस विषय पर चर्चा की गई। सम्मेलन के दौरान हिंदी प्रसार के लिए भारत से कुल 12 हिंदी विद्वान और विदेशों से 19 विद्वानों के साथ-साथ भारत और विदेश के दो-दो संस्थाओं को सम्मान के लिए चुना गया। इससे पहले विश्व हिंदी सम्मेलन मॉरीशस में हुआ था और यह सम्मेलन विभिन्न तरीकों और पहलुओं के माध्यम से हिंदी को बढ़ावा देने में कामयाब रहा था। इसके अतिरिक्त लंदन, सूरीनाम, न्यूयॉर्क और जोहांसबर्ग में भी सम्मेलन हिंदी को वैश्विक भाषा बनाने के लिए हुए हैं ताकि हिंदी का प्रचार व प्रसार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हो सके। हिंदी एक समृद्ध, भाषिक साहित्यिक एवं सांस्कृतिक परंपरा की वाहिनी है। अपनी जननी संस्कृत की उत्तराधिकारिणी से उसे गंभीर शब्द संपदा और प्रखर व्याकरण गरिमा प्राप्त है। यह समस्त भारतीय आदान-प्रदान की संपर्क भाषा है तथा कश्मीर से कन्याकुमारी तक समझी और बोले जाने वाली भाषा है। यह नित्य प्रति अभिनंदनीय है। लेकिन खेद की बात है कि कुछ लोग हिंदी बोलने तथा उसका प्रयोग करने में शर्म महसूस करते हैं, जबकि गौरव की बात होनी चाहिए। अंग्रेजी मीडियम वाले स्कूलों में भी अगर बच्चे हिंदी का प्रयोग करते हैं तो अध्यापक उन्हें डांट देते हैं और अंग्रेजी का प्रयोग करने के लिए बाध्य करते हैं। यह स्थिति हिंदी के लिए अवश्य ही प्रतिकूल है। कम से कम सरकारी स्तर पर हिंदी का प्रयोग करना गौरव की बात होनी चाहिए। हिंदी को यह स्थान अभी प्राप्त करना है।

आंसुओं का हथियार

बदलते दिनों में आंसुओं की दयनीयता के बखान के स्थान पर इस दुनिया में नवस्थापन और अपने-अपने मूल्यों के प्रतिपादन का एक अचूक हथियार बनते देख मन गदगद हो गया। इससे पहले आंसू बहाना कमजोरी की निशानी माना जाता था और इसे प्रायः औरतों के त्याज्य स्त्रैण नाव से जोड़ दिया जाता था। प्रेमिका मान-मनुहर हार के लिए इनका सहारा ले लेती थी और अपने ओ जी, ए जी के पांवों की बेडियां बनती हुई नजर आने लगती। प्रेम के बिछोड़े से लेकर आंसुओं की डगर से अध्यात्म की यात्रा तय हो जाती। मैं नीर भरी दुःख की बदली जैसी अमर कविता पंक्तियों से मित्र दिवस से लेकर प्रभु मिलन के मुक्ति दिवस तक की यात्रा तय हो जाती। लेकिन पुरुषोचित स्वभाव के लिए प्रायः यही कहा जाता रहा कि जो वास्तव में पुरुष है, वह कभी आंसू नहीं बहाता। अपने चौड़े सीने और बलिष्ठ कन्धों पर आपदा और दुर्भाग्य का हर वार सह लेता है, लेकिन कभी आंसू नहीं बहाता। बड़े-बूढ़े भी पीठ थपथपा कर कह देते, 'विषम परिस्थितियों का हंस कर या साहस से मुकाबला करो, मर्दों को घिघिया कर आंसू बहाना शोभा नहीं देता।' लेकिन इस बीच जमाना तेजी से बदल गया महानुभाव। बलिष्ठ कन्धों और चौड़े सीने वाले मर्दों की प्रजाति लुप्त हो गई।

उनके स्थान पर नजर आने लगे झुके कन्धों और सींकिया बदन वाले जीने की भीख मांगने से उखड़े और बेकार नौजवान। उनकी पास की हुई डिग्रियां उनके गले का नौक बन गयीं, क्योंकि उनके पास उन्हें दुःखों की वैतरणी पार करवाने के लिए कोई सिफारिशों की नौका या उनके प्रार्थना-पत्रों को गौर के काबिल बनाने के लिए उनके नीचे चांदी के पहिये लगाने की सामथ्र्य नहीं थी। ऐसी हालत में हर दौड़ में फिसड्डी रह जाने वाले इस देश को कुछ सामाजिक सर्वेक्षणों की ताजा रपटों ने रिश्वतखोरी, मध्यजनों के इस्तेमाल और भ्रष्टाचारी देशों में सिरमौर कह सर्वश्रेष्ठ के कोष्टक में डाल दिया है। अब आंसुओं को बहस वाले लोगों के कायाकल्प और रूपान्तरण की बात भी सामने आने लगी। अब आंसू दीनहीनता का परिचायक, श्रृंगार रस में करुणा का समावेश करने वाले नहीं रहे, बल्कि एक हथियार में भी परिवर्तित होने लगे। मांगने वालों को लगा कि अगर अपने प्रार्थनापत्र के नीचे चांदी के पहियों के साथ आंसुओं का गीलापन भी चस्पां कर दो तो ये ज्यादा तेजी के साथ भागने लगते हैं। महिला सशक्तिकरण और नारी स्वाधीनता तथा पुरुष से समानता के इस नये युग के आविर्भाव के साथ आंसू बहाने का वह कारुणिक रस तो जैसे गायब ही हो गया। हर व्यथागाथा के राजनीतिकरण के इस जमाने में आंसू भी रूप बदल संघर्ष में अपना रास्ता हमवार करने का एक हथियार बनने लगे।

आंसू कमजोरी ही नहीं ईमानदारी उद्गारों का भावुक उद्घोष भी होते हैं। उखड़ते आन्दोलन के पांव फिर से जमा देते हैं। लोग अपने गांव-घरों से पानी के कनस्तर उठा नेता जी के आंसू पोंछने चल दिये। इन आंसुओं ने नेता जी का कद एक बालिश्त बढ़ा दिया। आन्दोलन का केन्द्र बिन्दु भी सरहद के दूसरे मोर्चे से बदल कर उनके मोर्चे की ओर तबदील होता नजर आने लगा। अब पीछे छूटते मोर्चे के नेता भी अपना महत्व घटता पा अपने लोगों की दुर्दशा पर आंसू बहाने की सोच रहे हैं। चाहे ये आंसू मशालों की रौशनी में हर तरह की याद में ही क्यों न बहा दिये जायें। आंसू हमेशा कमजोरी दिखाने ही नहीं अपनी छवि सुधारने के लिए भी बहा दिये जाते हैं। देश के राष्ट्रीय मंच से अपने धर्म से अलग धर्म के नेता की विदाई पर जब सत्तासीन भावविह्वल हो पक्ष-विपक्ष का अन्तर त्याग उसकी राष्ट्रभक्ति के प्रशस्ति गायन में श्रद्धा के आंसू बहाने लगे तो आम लोग इस भावुकता से चमत्कृत होकर कैसे अपने इस बड़े नेता की धर्मनिरपेक्ष और सत्यसापेक्ष छवि को स्थापित करते हुए कैसे निहाल हो जाते हैं, इसे समझने के लिए बहुत कोशिश करने की जरूरत नहीं है।

सुरेश सेठ

लॉजिस्टिक परफॉर्मेंस इंडेक्स में पहले 25 देशों में शामिल होना लक्ष्य, अभी 38वें स्थान पर भारत: डीपीआईआईटी

सरकार ने लॉजिस्टिक परफॉर्मेंस इंडेक्स में वर्ष 2030 तक भारत को पहले 25 देशों में शामिल करने का लक्ष्य रखा है। वर्ल्ड बैंक की तरफ से जारी होने वाले लॉजिस्टिक प्रदर्शन सूचकांक में वर्ष 2023 में भारत का स्थान 38वां है। वहीं डीपीआईआईटी की विशेष सचिव सुमिता डावरा ने बताया कि अभी लॉजिस्टिक लागत को लेकर जो अनुमान लगाए जा रहे हैं वह ठोस डाटा के आधार पर नहीं हैं।

नई दिल्ली। उद्योग संवर्धन व आंतरिक व्यापार विभाग ने वैश्विक लॉजिस्टिक प्रदर्शन सूचकांक में वर्ष 2030 तक भारत को पहले 25 देशों में शामिल करने का लक्ष्य रखा है। विश्व बैंक की तरफ से जारी होने वाले लॉजिस्टिक प्रदर्शन सूचकांक में वर्ष 2023 में भारत का स्थान 38वां है जबकि वर्ष 2018 मे भारत इस सूचकांक में 44वें स्थान पर था।

पिछले साल सरकार ने की थी लॉजिस्टिक नीति की घोषणा

पिछले साल 17 सितंबर को राष्ट्रीय लॉजिस्टिक नीति की घोषणा की गई थी। पिछले एक साल में लॉजिस्टिक लागत को कम करने को लेकर विभिन्न सेक्टर में काम तो हुए हैं, लेकिन अब भी पूरी तरह से यह तय नहीं हो पाया है कि हमारी वास्तविक लॉजिस्टिक लागत क्या है। डीपीआईआईटी के मुताबिक वर्ष 2030 तक भारत का आयात-निर्यात 2.5 अरब डॉलर तक होने की संभावना है और इसके लिए ठोस लॉजिस्टिक व्यवस्था चाहिए।

DPIIT कि विशेष सचिव सुमिता डावरा ने बताया कि अभी लॉजिस्टिक लागत को लेकर जो अनुमान लगाए जा रहे हैं वह ठोस डाटा के आधार पर नहीं लगाए जा रहे हैं। एक अवधारणा और मोटे-मोटे अनुमान के आधार पर ही लॉजिस्टिक लागत का पता लगाया जा रहा है। DPIIT समग्र व वैज्ञानिक तरीके से डाटा एकत्र कर लॉजिस्टिक लागत को तैयार करने में जुटा है।

लॉजिस्टिक लागत को कम करने के लिए ली जा रही राज्यों की मदद

डावरा ने कहा कि अवधारणा पर आधारित आंकड़ों के मुताबिक अभी भारत में लॉजिस्टिक लागत जीडीपी की आठ प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि लॉजिस्टिक लागत को कम करना हमारा पहला लक्ष्य है और इस काम के लिए पीएम गति शक्ति से लेकर लॉजिस्टिक पोर्टल व अन्य उपायों के जरिए लॉजिस्टिक लागत का बेसलाइन तैयार कर लिया गया है। अब तक लॉजिस्टिक लागत का बेसलाइन ही नहीं था। इस माह के आखिर तक डीपीआईआईटी लॉजिस्टिक लागत का सही डाटा देने में सक्षम हो सकता है।

DPIIT विश्व बैंक (World Bank) व अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (International Monetary Fund) से भी वैश्विक लॉजिस्टिक सूचकांक तैयार करने के तरीके को बदलने के लिए कहेगा। लॉजिस्टिक लागत को कम करने की दिशा में राज्यों से भी मदद ली जा रही है। अब तक 21 राज्यों ने अपने-अपने यहां लॉजिस्टिक नीति को अधिसूचित कर दिया है। बाकी राज्य भी इस दिशा में काम कर रहे हैं।

अडानी ग्रुप ग्रीन हाइड्रोजन क्षेत्र में करेगा 50 अरब डॉलर का निवेश, जापानी कंपनी कोवा से हुई पार्टनरशिप

महीनों से वित्तीय विवादों में उलझे अदाणी समूह ने ग्रीन हाइड्रोजन क्षेत्र में 50 अरब डॉलर के निवेश की घोषणा की है। कंपनी यह निवेश 10 साल में करेगी और भारत में ग्रीन हाइड्रोजन सेक्टर से जुड़े सभी तरह के इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने की कोशिश करेगी। आपको बता दें कि इस क्षेत्र में इतना बड़ा निवेश करने वाली अदाणी ग्रुप पहली भारतीय कंपनी है।

नई दिल्ली। पिछले कई महीनों से वित्तीय विवाद में फंसे अदाणी समूह ने ग्रीन हाइड्रोडन सेक्टर में 50 अरब डॉलर के निवेश की घोषणा की है। यह निवेश कंपनी 10 वर्षों में करेगी और इससे भारत में ग्रीन हाइड्रोडन सेक्टर से जुड़े सभी तरह के इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने की कोशिश होगी।

किसी भारतीय कंपनी द्वारा यह सबसे बड़ा निवेश?

भारत सरकार की तरफ से ग्रीन हाइड्रोजन मिशन की घोषणा के बाद यह किसी भारतीय कंपनी की तरफ से घोषित सबसे बड़ी निवेश योजना है।

कंपनी की योजना दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों में ग्रीन हाइड्रोजन की बिक्री की है। कंपनी ने जापान की कंपनी कोवा ग्रूप के साथ मिल कर बराबर साझेदारी का एक संयुक्त उद्यम स्थापित किया है ताकि ताइवान, जापान व हवाई क्षेत्र में ग्रीन हाइड्रोजन का निर्यात किया जा सके।

वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ा समझौता

हाल के महीनों में वैश्विक स्तर पर ग्रीन हाइड्रोजन सेक्टर में किया गया यह सबसे बड़ा समझौता है। अदाणी समूह की तरफ से जानकारी दी गई है कि 50 अरब डॉलर की निवेश योजना से शुरू में ही देश में 10 लाख टन ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन शुरू हो सकेगा।

ग्रीन हाइड्रोजन को लेकर क्या है भारत का लक्ष्य?

अगले 10 वर्षों में कंपनी 30 लाख टन ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन हो सकेगा। याद रहे कि ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के तहत भारत में वर्ष 2030 तक 50 लाख टन ग्रीन हाइड्रोडजन का उत्पादन करने का लक्ष्य रखा है।

जनवरी, 2023 में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ग्रीन हाइड्रोजन मिशन का ऐलान किया था। इसके तहत करीबन 19,744 करोड़ रुपये की सब्सिडी देने का ऐलान किया है। ग्रीन हाइड्रोजन रिनीवेबल सेक्टर से बनी बिजली से ईंधन बनाने की विधि है।

शुरू में इन सेक्टर में होगा ग्रीन हाइड्रोजन का इस्तेमाल

सरकार की योजना शुरुआत में स्टील, रिफाइनरी जैसे सेक्टर में ग्रीन हाइड्रोडन के इस्तेमाल को बढ़ावा देने की है। ग्रीन हाइड्रोजन में अदाणी की इस महत्वाकांक्षी योजना के पीछे एक वजह यह भी है कि यह कंपनी देश की सबसे बड़ी रिनीवेबल सेक्टर की कंपनी भी बनने जा रही है। सौर ऊर्जा सेक्टर में यह कंपनी सोलर मॉड्यूल बनाने से लेकर सौर प्लांट लगाने तक का काम कर रही है। सौर ऊर्जा से तैयार बिजली ग्रीन हाइड्रोजन बनाने में काम करेगी। कंपनी ने कहा है कि वह समुद्र का पानी को साफ करके ग्रीन हाइड्रोजन में इस्तेमाल करेगी।

मास्टर कार्ड इंडिया के चेयरमैन बने एसबीआई के पूर्व अध्यक्ष रजनीश कुमार, जानें क्या होगी उनकी नई भूमिका

दुनिया के सबसे बड़े भुगतान प्रसंस्करण नेटवर्क में से एक मास्टरकार्ड ने रजनीश कुमार को मास्टरकार्ड इंडिया का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। रजनीश कुमार एसबीआई के पूर्व चेयरमैन रहे हैं। एसबीआई की प्रसिद्ध ऐप योनो के लिए रजनीश कुमार को ही श्रेय दिया जाता है। जानिए अब मास्टरकार्ड के नए अध्यक्ष के तौर पर उनकी क्या भूमिका होगी।

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे बड़े पेमेंट प्रोसेसिंग नेटवर्क में से एक मास्टरकार्ड ने मास्टरकार्ड इंडिया के लिए रजनीश कुमार को अपना नया चेयरमैन नियुक्त किया है। आपको बता दें कि रजनीश कुमार, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के पूर्व चेयरमैन भी रह चुके हैं।

साउथ एशिया की टीम का करेंगे मार्गदर्शन

मास्टरकार्ड ने एक बयान में कहा कि रजनीश कुमार घरेलू भुगतान परिदृश्य को आगे बढ़ाने में मास्टरकार्ड की दक्षिण एशिया कार्यकारी नेतृत्व टीम का मार्गदर्शन करेंगे, जिसका नेतृत्व गौतम अग्रवाल, दक्षिण एशिया के डिवीजन अध्यक्ष और भारत के कंट्री कॉर्पोरेट ऑफिसर, करेंगे।

40 साल का है अनुभव

आपको बता दें कि एसबीआई के पूर्व चेयरमैन रजनीश कुमार के पास देश का सबसे बड़ा बैंक, एसबीआई में लगभग 40 साल का अनुभव है। भारत के अलावा उन्होंने ब्रिटेन और कनाडा में बैंक के महत्वपूर्ण परिचालनों के प्रबंधन में विभिन्न लीडरशिप भूमिकाएं निभाई हैं। एसबीआई के YONO प्लेटफॉर्म का नेतृत्व करने का भी श्रेय उन्हें ही दिया जाता है। रजनीश कुमार का कार्यकाल एसबीआई अध्यक्ष के रूप में अक्टूबर 2020 में समाप्त हुआ। रजनीश कुमार कॉर्पोरेट क्रेडिट और प्रोजेक्ट फाइनेंस के एक्सपर्ट हैं, रजनीश कुमार के पास एचएसबीसी एशिया पैसिफिक, एलएंडटी और ब्रुकफील्ड प्रॉपर्टी मैनेजमेंट जैसे कॉर्पोरेट दिग्गजों के बोर्ड में सीटों सहित कई निदेशक पद भी हैं। वह भारत पे के बोर्ड और अग्रणी प्रबंधन संस्थान एमडीआई, गुड़गांव के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष भी हैं।

डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा देने के लिए यूपीआई ने शुरू किया यूपीआई नॉउ पे लैटर सर्विस, अब आसानी से होगी पेमेंट

आज के समय में हर कोई डिजिटल पेमेंट करना काफी पसंद करते हैं। लोगों को सुविधा देने के लिए यूपीआई कई तरह के फीचर्स देते हैं। इन नए फीचर्स की मदद से लोग आसानी से यूपीआई के जरिये भुगतान कर सकते हैं। यूपीआई ने एक नया फीचर दिया है इसका नाम यूपीआई नाउ पे लेटर है। आइए इस फीचर के बारे में जानते हैं।

नई दिल्ली। आज के समय में हर कोई यूपीआई या फिर यूपीआई बेस्ड ऐप्स की मदद से डिजिटल पेमेंट करते हैं। जैसे-जैसे देश में डिजिटल पेमेंट (Digital Payment) को बढ़ावा मिल रहा है उसके बाद कई लोग कैशलेस लेनदेन करना काफी पसंद करते हैं। लोग अपने बैंक अकाउंट को यूपीआई (UPI) से लिंक कर सकते हैं। इसके बाद वह बड़ी आसानी से यूपीआई के जरिये भुगतान कर सकते हैं।

यूपीआई ने डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा देने के लिए एक नया फीचर शुरू किया है। इसका नाम यूपीआई नाउ पे लेटर (UPI Now Pay Later) है। इसमें अगर कभी किसी ग्राहक के अकाउंट में पैसे नहीं होते हैं उसके बावजूद वह यूपीआई के जरिये भुगतान कर सकते हैं। ऐसे में ग्राहक को बार-बार अकाउंट बैलेंस चेक करने की जरूरत नहीं है।

यह एक तरह का क्रेडिट कार्ड पर मिलने वाले फीचर की तरह ही है। इसमें लोग अपने क्रेडिट लाइन से भुगतान कर सकते हैं। इस सुविधा का लाभ आप तब उठा सकते हैं जब आपका बैंक आपको क्रेडिट लाइन सर्विस ऑफर की मंजूरी देता है।

यूपीआई से क्या क्या लिंक हो सकता है

कई लोगों का सवाल होता है कि वो आखिर अपने यूपीआई से क्या-क्या लिंक कर सकते हैं। आपको बता दें कि आप अपने यूपीआई से अपना सेविंग अकाउंट, क्रेडिट कार्ड, प्रीपेड वॉलेट और ओवरड्राफ्ट अकाउंट को लिंक कर सकते हैं। इसके अलावा अब आप अपने क्रेडिट लाइन को भी यूपीआई से

लिंक कर सकते हैं। इस सुविधा का इस्तेमाल आप गूगल पे (Google Pay), पेटीएम (PayTm), मोबिक्विक (Mobikwik), और बाकी मोबाइल बैंकिंग ऐप्स के जरिये कर सकते हैं। आपको बता दें कि अगर आप यूपीआई नाउ पे लेटर सर्विस का लाभ उठाते हैं तो आपको प्रोसेसिंग फीस का भुगतान करना होगा। देश के हर बैंक की प्रोसेसिंग फीस अलग होती है।

यूपीआई एटीएम

लोगों को यूपीआई एटीएम (UPI ATM) की भी सुविधा मिल रही है। इसमें अब बिना एटीएम कार्ड के भी एटीएम से कैश निकाला जा सकता है। अभी इसकी सर्विस कुछ ही बैंक में है। भविष्य में लगभग हर बैंक एटीएम में यह सर्विस मौजूद हो जाएगी। यूपीआई एटीएम का इस्तेमाल करने के लिए यूपीआई पिन की आवश्यकता होती है।

चालू वित्त वर्ष में कम रहेगा बैंकों का क्रेडिट ग्रोथ ग्रॉस एनपीए भी कम होने की उम्मीद: आईसीआरए

रेटिंग एजेंसी इक्रा ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में बैंकों का क्रेडिट वृद्धि धीमी रहेगी। इक्रा के अनुसार इस वित्त वर्ष में क्रेडिट वृद्धि पिछले साल के 15.4 प्रतिशत से घटकर 12.1-13.2 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। इसके अलावा इक्रा ने यह भी बताया कि बैंको का जीएनपीए भी कम होने की उम्मीद है। पढ़िए क्या है पूरी खबर।

नई दिल्ली। घरेलू रेटिंग एजेंसी इक्रा (ICRA) ने आज एक रिपोर्ट जारी करते हुए बाताय कि बैंकों का क्रेडिट ग्रोथ चालू वित्त वर्ष में कम रहेगा।

इक्रा के मुताबिक इस वित्त वर्ष क्रेडिट ग्रोथ एक साल पहली की 15.4 प्रतिशत से घटकर 12.1-13.2 प्रतिशत रह जाएगा।

ग्रॉस एनपीए भी होगा कम

इसके अलावा इक्रा ने यह भी कहा कि बैंकों का जीएनपीए यानी ग्रॉस एनपीए जून तिमाही के अंत में 3.7 प्रतिशत से घटकर 2.8-3 प्रतिशत पर आने की उम्मीद है।

वित्त वर्ष 24 में ज्यादा डिपॉजिट का अनुमान

इक्रा ने अपने रिपोर्ट में कहा कि इस वित्त वर्ष बैंकों में कुल जमा वृद्धि 9 प्रतिशत से अधिक रहने की उम्मीद है। ज्यादा जमा के कारण बैंकों की लाभप्रदता प्रभावित होगी और परिसंपत्तियों पर रिटर्न में मामूली कमी आएगी।

व्यापक आर्थिक झटकों को लेकर सतर्क

इक्रा ने कहा कि वह संपत्ति की गुणवत्ता पर व्यापक आर्थिक झटकों के असर को लेकर सतर्क है। इक्रा के मुताबिक सरकारी बैंक के साथ-साथ निजी क्षेत्र के बैंक भी पूंजीकरण के मोर्चे पर सहज होंगे, साथ ही सरकार को अपने किसी भी बैंक में पैसा लगाने की आवश्यकता नहीं होगी।

क्या होता है क्रेडिट ग्रोथ?

दरअसल बैंकों का कमाने का सबसे बड़ा जरिया उधार यानी लोन यानी क्रेडिट होता है। बैंक अगर ग्राहकों को ज्यादा से ज्यादा लोन देते हैं तो वो अच्छा माना जाता है क्योंकि उतनी ही ज्यादा ब्याज पर बैंक पैसा कमा सकती है।

क्रेडिट ग्रोथ का मतलब बैंकों के लोन देने में वृद्धि होना, यानी लोग ज्यादा लोन ले रहे हैं। सरल भाषा में कहे तो क्रेडिट ग्रोथ का मतलब वह लोन जो बैंक कंपनियों, व्यवसायियों या व्यक्तियों को प्रदान करते हैं। जितने अधिक लोग बैंकों से लोन लेंगे, बैंक क्रेडिट में उतनी ही अधिक वृद्धि होगी।

क्या है इक्रा?

ICRA लिमिटेड (पूर्व में भारतीय निवेश सूचना और क्रेडिट रेटिंग एजेंसी लिमिटेड) की स्थापना 1991 में अग्रणी वित्तीय/निवेश संस्थानों, वाणिज्यिक बैंकों और वित्तीय सेवा कंपनियों द्वारा एक स्वतंत्र और पेशेवर निवेश सूचना और क्रेडिट रेटिंग एजेंसी के रूप में की गई थी।

पीएम किसान योजना की 15वीं किस्त के लिए करना होगा यह काम, सरकार ने जारी किये निर्देश

केंद्र सरकार ने किसानों के लिए पीएम किसान योजना शुरू किया है। इस योजना में किसानों को हर साल 6000 रुपये की राशि दी जाती है। यह राशि किस्तों में मिलती है। सरकार ने अब तक 14वीं किस्त जारी कर दी है। अब किसान 15वीं किस्त का इंतजार कर रहे हैं। 15वीं किस्त का लाभ पाने के लिए किसानों को कुछ जरूरी काम करना होगा।

नई दिल्ली। देश में किसानों की मदद के लिए कई तरह की स्कीम चलाई जा रही है। किसानों को आर्थिक मदद देने के लिए केंद्र सरकार ने पीएम किसान सम्मान निधि योजना शुरू किया है। इस योजना में किसानों को हर साल 6,000 रुपये की राशि मिलती है। यह राशि किस्तों के तौर पर दी जाती है। हर किस्त में किसानों को 2,000 रुपये की राशि मिलती है। अभी तक सरकार ने 14वीं किस्त जारी कर दी है।

अब देश के किसान 15वीं किस्त का इंतजार कर रहे हैं। इस योजना का लाभ पाने के लिए किसानों को फौरन यह काम करना चाहिए। अगर वह यह काम नहीं करेंगे तो वह इस योजना के लाभ से वंचित हो जाएंगे। आइए, जानते हैं कि इस योजना का लाभ पाने के लिए आपको क्या करना होगा।

करें यह काम: पीएम किसान योजना ने सोशल मीडिया एक्स (पूर्व टि्विटर) पर जानकारी दी है कि किसानों को इस योजना के लिए कुछ डॉक्यूमेंट्स अपलोड करना होगा। इसके अलावा किसानों को कुछ और भी काम करना होगा। किसानों को अगली किस्त का लाभ पाने के लिए अपना आधार कार्ड को बैंक अकाउंट से लिंक करना होगा।

इसके अलावा किसानों को ई-केवाईसी (EKYC) करवाना होगा। आपको बता दें कि अगर ई-केवाईसी नहीं करवाते हैं तो उनको इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा। किसानों को अपनी जमीन का भी सत्यापन करवाना होगा।

केंद्र सरकार ने पीएम किसान योजना में हो रहे फर्जीवाड़ा रोकने के लिए ई-केवाईसी करवाना होगा। किसान पीएम किसान की अधिकारिक वेबसाइट पर जाकर ओटीपी (OTP) के माध्यम से ई-केवाईसी करवा सकते हैं। इसके अलावा सरकार ने मोबाइल ऐप भी लॉन्च किया है। इसके जरिये घर बैठे आराम से ई-केवाईसी किया जा सकता है।

बैंक अकाउंट से आधार को करें लिंक

अगर किसी किसान का बैंक अकाउंट आधार से लिंक नहीं होता है तो उनको इस योजना का 15वीं किस्त का लाभ नहीं मिलेगा। आधार से बैंक अकाउंट को लिंक करने के बाद किसान की सभी जानकारी सरकार के पास पहुंच जाती है। इसके बाद इस योजना का पैसा समय से किसान के अकाउंट में जमा हो जाता है।

लगातर दूसरे दिन गिरा सोने और चांदी का भाव, जानिए आपके शहर में क्या है 10 ग्राम गोल्ड की कीमत

एक बार फिर से सोने और चांदी की कीमत में गिरावट देखने को मिली है। अगर आप सोने और चांदी खरीदने का प्लान बना रहे हैं तो इसे खरीदने का बहुत अच्छा मौका है। जानिए आपके शहर में क्या है 10 ग्राम सोने और चांदी की कीमत साथ ही यह भी जानिए कितना सस्ता हुआ गोल्ड।

नई दिल्ली। लगातार दूसरे दिन आज सर्राफा बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है। ऐसे में आपके पास गोल्ड और सिल्वर को खरीदने का सुनहरा अवसर है। हम आपको इस आर्टिकल में यह बताने जा रहे हैं कि सोने और चांदी के भाव में कितनी गिरावट आई है।

कितना सस्ता हुआ सोना?

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के अनुसार, विदेशी बाजारों में सोने की कीमतों में गिरावट के बीच राजधानी दिल्ली में गुरुवार को सोने की कीमत 50 रुपये गिरकर 59,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गई।

पिछले कारोबार में सोना 59,650 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में आज सोना गिरकर 1,906 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर था।

कितनी सस्ती हुई चांदी?

आज चांदी 400 रुपये टूटकर 73,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। आपको बता दें कि कल चांदी 1000 रुपये सस्ती हुई थी। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में आज चांदी 22.55 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर था।

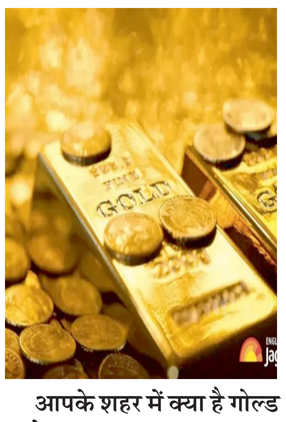

आपके शहर में क्या है गोल्ड का रेट?

गुड रिटर्न वेबसाइट के मुताबिक आज विभिन्न शहरों में सोने की कीमत इस प्रकार हैः

दिल्ली में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 59,990 रुपये है।

नोएडा में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 59,990 रुपये है।

मुंबई में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 59,450 रुपये है।

चैन्नई में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 59,780 रुपये है।

कोलकाता में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 59,450 रुपये है।

बेंगलुरु में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 59,450 रुपये है।

केरल में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 59,450 रुपये है।

पटना में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 59,500 रुपये है।

सूरत में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 59,500 रुपये है।

चंडीगढ़ में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 59,990 रुपये है।

लखनऊ में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 59,990 रुपये है।

दस तक गिनती कर किसानों का कर्ज माफी का वादा करने वाले राहुल जब राजस्थान आए तो पकड़ लेना : ठाकुर

अनूप कुमार शर्मा

भीलवाड़ा। भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा भीलवाडा शहर से आरजिया चौराहा मांडल चौराहा होते हुए शाहपुरा चौराहा से शाहपुरा पहुंची जहां जगह-जगह सैकड़ो कार्यकर्ताओ ने स्वागत अभिनंदन पुष्प वर्षा कर किया।क्रांतिकारी जोरावर सिंह केसर सिंह प्रताप सिंह बारहठ की मूर्तियों पर अनुराग ठाकुर ने माल्यार्पण किया। केंद्रीय खेल सूचना एवं प्रसारण मंत्री ठाकुर ने शाहपुरा में महलों का चौक में जन सभा को संबोधित करते हुए कहा कि केसर सिंह बारहठ परिवार ने देश के लिए अपना बहुत बड़ा बलिदान दिया है अंतर्राष्ट्रीय रामस्नेही संप्रदाय की पावन धरा को में नमन करता हूं

भारत की सरकार 2024 में बनी तब कांग्रेस राज से जनता त्रस्त हो चुकी थी कई बड़े बड़े घोटाले कांग्रेस राज में हो चुके थे 2023 में जब नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री पद का प्रत्याशी घोषित किया तो कांग्रेस के पदाधिकारी ने कहा चाय बेचने वाला देश चलाएगा जिसकी मां बर्तन माजती है वह देश चलाएगा तो जनता ने चाय बेचने वाले को प्रधानमंत्री बना दिया और कांग्रेस को नकार दिया। कांग्रेस की गहलोत सरकार ने नंबर वन बनाया गैंग रेप में गैंगवार में भ्रष्टाचार में बेरोजगारी में दलित अत्याचार में पेपर लीक में भाई भतीजा वाद, खनन माफिया में कांग्रेस की गहलोत सरकार में भ्रष्टाचार की खुली लूट छूट है यदि राजस्थान को बचाना है तो कमल का फूल खिलाना है, डबल इंजन की सरकार बनाना है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस के लोग इतने गिर गए थे कि मोदी को कभी नीचे कहा बिच्छू कहा सांप कहा मौत का सौदागर कहां, देश की जनता को गुमराह फिर भी नहीं कर सकी देश की जनता ने ईमानदार चाय बेचने वाले को प्रधानमंत्री बना दिया। उन्होनं कहा कि 9.5 साल में मोदी सरकार में एक भी घोटाला नहीं हुआ पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश भारत बन गया है, कांग्रेस ने खजाने को खाली करने का काम किया जबकि मोदी सरकार ने खजाना भरा जब खजाना बढ़ता है तो देश का विकास गरीब कल्याण भी होता गरीब मां का बेटा मोदी महिलाओं का गरीबों का दर्द समझता है, उज्ज्वला योजना के तहत हजारों गैस सिलेंडर रियायती दर पर दिए किसानों को कर्ज माफ नहीं किया।

ठाकुर ने कहा कि जो काम विश्व के कोई देश नहीं कर सके ऐसा अभूतपूर्व कार्य मोदी ने चंद्रयान को दक्षिण पोल पर उतार कर कीर्तिमान बना दिया। देश के किसानों को फायदा दिलाने के लिए पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने की स्वीकृति प्रदान की, कोटडी थाना क्षेत्र में हुई गैंगरेप की घटना के बाद भट्टी में जलाने की घटना पर कांग्रेस सरकार को लपेटते हुए कहा कि इतनी शर्मनाक घटना होने के बावजूद कांग्रेस सरकार में कुछ नहीं किया।

राष्ट्रीय मंत्री राज्यसभा सांसद सुरेंद्र नागर ने कहा कि इस प्रदेश की जनता ने जनमानस में आने वाले विधानसभा चुनाव में परिवर्तन का मन बना लिया है। कांग्रेस की गहलोत सरकार में भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है।

भाजपा प्रदेश महामंत्री दामोदर अग्रवाल, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष चुन्नीलाल गरासिया, सांसद सुभाष बहेडिया, सह संभाग प्रभारी अतर सिंह भड़ाना, प्रमोद सामर, जिला प्रभारी रतन गाडरी, शाहपुरा नगर पालिका चेयरमैन, मंडल अध्यक्ष गोपाल चरण सिसोदिया, सहित भाजपा जनप्रतिनिधि पदाधिकारी पूरे जोश उत्साह के साथ मोदी के नारे लगाते हुए भारत माता की जयकारे के साथ उपस्थित थे।

सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़, कर्नल समेत 3 जवान शहीद

कश्मीर के अनंतनाग जिले में बुधवार को सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हो गई है। इस मुठभेड़ में सेना के जम्मू कश्मीर पुलिस के डीएसपी समेत 2 अधिकरी शहीद हो गए।

नई दिल्ली। कश्मीर के अनंतनाग जिले में आज बुधवार को सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हो गई है। इस मुठभेड़ में सेना के जम्मू कश्मीर पुलिस के DSP समेत 2 अधिकरी शहीद हो गए।

अधिकारियों ने बताया कि कश्मीर के अनंतनाग जिले के कोकेरनाग इलाके में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में सेना के एक कर्नल सहित तीन सुरक्षा बल के अफसर शहीद हो गए हैं।

उन्होंने बताया कि कर्नल मनप्रीत सिंह, मेजर आशीष, जम्मू-कश्मीर पुलिस के डीएसपी हुमायूं भट गोलीबारी में गंभीर रूप से घायल हो गए, जिसके बाद तीनों शहीद हो गए। उन्होंने बताया कि भट की जान ज्यादा खून बहने से हुई है।

बता दें कि सुरक्षाकर्मियों की टीम एक ठिकाने पर आतंकियों का पीछा कर रही थी। वे उस स्थान पर चढ़ गए, जहां 2-3 आतंकवादियों के छिपने की सूचना मिली थी, लेकिन जैसे-जैसे वे ऊपर चढ़े। उन पर आतंकियों ने फायरिंग कर दी।

इस दौरान सेना के कर्नल मौके पर ही शहीद हो गए. जबकि अन्य दो अफसर गोली लगने से घायल हो गए। उन्हें हवाई मार्ग से श्रीनगर के 92 बेस अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका।

गौरतलब है कि, राजौरी के कालाकोट के दूरदराज नारला क्षेत्र में कल दोपहर यानी 12 सितंबर को आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ शुरू हुई थी, जो अभी तक जारी है। इस मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए हैं, जबकि एक सेना का जवान और खोजी कुत्ता केंट भी बलिदान हो गया था। इसी बीच फायरिंग होने से एक पुलिस एसपीओ सहित तीन अन्य घायल हुए हैं।

बुंदेलखण्ड में नया नोएडा बनेगा, ऐलान मिशन योगी

परिवहन विशेष।एसडी सेठी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने ' मिशन बुंदेलखण्ड 'के तहत यहां भी नया नोएडा को बनाने का मिशन तैयार किया है। यहां भी नोएडा की तर्ज पर गगन चुंगी इमारतों , सोसाइटीज, इंडसट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर, हाई वे, स्थानीय सडक मार्ग, मैट्रोलाइन बिछाने के साथ ही बडी कंपनियों के दफ्तरों को स्थापित करने की योजना पर अमल शुरू कर दिया है। यूपी सीएम योगी आदित्य नाथ ने दावा किया है कि पिछले 47 सालों में किसी भी सरकार ने बुंदेलखण्ड के विकास , रोजगार, मुहैया कराने संबंधी कोई भी कार्य नहीं किया है, यूपी के झांसी, बुंदेलखंड से बडी संख्या में आबादी के पलायन को रोकने और उन्हें यहीं पर रोजगार मुहैया की बडी योजना को अमलीजामा पहनाया जाएगा। बता दें कि यूपी को जीडीपी का 1 लाख 65 हजार करोड रूपये तो सिर्फ नोएडा से ही आता है। दूसरे नंबर पर लखनऊ से जीडीपी का 75 हजार करोड रूपये यूपी को मिलता है। इसके अलावा नोएडा में 22000 तो बडी कंपनियों के दफ्तर हैं। जिनसे लाखों लोगों को रोजगार मिला हुआ है। वहीं बडी-बडी इमारतों के बूते नोएडा का मुंबई के बाद दूसरा नंबर आता है। इसके अलावा तमाम मीडिया टीवी चैनलों के स्टूडियो हैं। प्रिंट मीडिया के अखबारों, इनके छपाई की तमाम प्रिंटिंग प्रेस यही पर स्थापित है। जेवर में इंटरनेशनल हवाई अड्डा इस साल के अंत तक शुरू हो जाएगा। इसी तरह बुंदेलखण्ड को भी विकसित किया जाएगा। यहां भी नोएडा की स्थापना के बाद इंफ्रास्ट्रक्चर में तेजी से बदलाव आएगा। शापिंग मॉल, बडी कंपनियों के दफ्तर, इंडसट्रियल टाउन की स्थापना , से बुंदेलखण्ड, झांसी की कायापलट होने वाली है।

इंडिया गठबंधन के टार्गेट पर मीडिया, कुछ टीवी चैनल्स-एंकर्स

नई दिल्ली। 26 विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' की दिल्ली में हुई बैठक में गठबंधन के आढे आने वाले मीडिया टीवी चैनलों पर शिकंजा कसने का टार्गेट किया है। इस बावत शरद पवार द्वारा हस्ताक्षरित एक लैटर भी गठबंधन के तमाम दलों को भी सौंपा गया है। इस मिटिंग में मौजूद सभी गठबंधन दलों ने अपनी सहमति भी जताई है। दि टेलीग्राफ की रिपोर्ट के मुताबिक इंडिया गठबंधन के नेताओ ने तय किया है कि वो अपने नेताओ और प्रवक्ताओं को कुछ टीवी एंकर्स के शौ में भेजना बंद करेंगे। विपक्षी दलों के नेता अक्सर कुछ टीवी एंकर्स पर बीजेपी और आरएसएस का समर्थन करने का आरोप लगाते रहे हैं। दिल्ली में शरद पवार के घर पर हुई बैठक के बाद सांझा ब्यान जारी कर कहा गया कि 'समन्वय समिति ने एसे टीवी एंकर्स के नामों की लिस्ट तैयार करने के लिए कहा है।जिनके शौ में इंडिया गठबंधन के नेता नहीं जाएगें। विपक्षी गठबंधन नेताओ का मानना है कि सत्ता की तरफदारी करने वाले पत्रकारों को सीधे निशाना बनाने का इंतकामी फैंसला किया है। अखबार सूत्रों के हवाले के मुताबिक कुछ टीवी चैनलों का पूरी तरह से बहिष्कार होगा और कुछ

चैनलों के सिर्फ एंकर्स का। मीडिया के मुताबिक विपक्षी गठबंधनों की सहमती बनी है कि तीन मीडिया घरानों से किसी तरह का कोई नाता नहीं रहेगा।गठबंधन दलो का आरोप है कि ये कथित न्यूज चैनल बीजेपी और आरआरएस के लिए काम करते हैं। वैसे अभी इंडिया गठबंधन की ओर से टीवी चैनलों और एंकर्स के नामों का ऐलान नहीं किया है। उल्लेखनीय है कि साल 2004 में कांग्रेस इस बात से चिंतित थी कि मीडिया उसे पर्याप्त तवज्जो/स्पेस नहीं दे रही है। तब मनमोहन सिंह, प्रणव मुखर्जी , नटवर सिंह, गुलाम नबी आजाद, और अर्जुन सिंह ने प्रेस कांफ्रेंस की थी। और संपादकों से अपील की थी कि निष्पक्ष होकर लोकतांत्रिक सिद्धांतों का पालन करें। उस वक्त अटल बिहारी वाजपेई की सरकार थी। और विपक्षी दलों के नेताओ के खिलाफ झूठा अभियान चलाने जैसी कोई शिकायत नहीं थी। लेकिन विपक्षियों का मानना है कि अब सरकार समर्थन और विपक्ष पर हमला ज्यादा दिखता है। आज ही एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत द्वारा गढा गया शब्द चरणचुंबक मीडिया कहने पर पत्रकारों ने बे भाव के सवाल दाग दिए।

ओड़िशा शिक्षामंत्री के मकान पर अंडा मार, छात्र कांग्रेस

भुवनेश्वर। छात्र संसदीय चुनाव को लेकर असंतोष धीरे-धीरे बढ़ता जा रहा है. छात्र संसद बंद करने के फैसले को बदलने के लिए विभिन्न छात्र संगठन विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं. हालांकि आज कांग्रेस ने पूर्व घोषणा के मुताबिक छात्र संसद चुनाव बंद करने का विरोध किया है.

छात्र कांग्रेस ने उच्च शिक्षा मंत्री अतनु सब्यसाची नाइक के आवास का घेराव किया है. छात्र कांग्रेस ने 24 घंटे में छात्र संसद बंद करने के फैसले को बदलने की मांग की. छात्र कांग्रेस ने उन्हें अन्यथा कार्रवाई करने की चेतावनी दी थी। लेकिन 24 घंटे के अंदर कोई सफलता नहीं मिलने पर आज छात्र कांग्रेस ने मंत्री के आवास का घेराव किया और आवास पर अंडे फेंके. हालांकि सुरक्षा मंत्री के आवास के सामने भारी पुलिस बल तैनात किया गया है. पता चला है कि इस साल छात्र संसद का चुनाव नहीं होगा. उच्च शिक्षा विभाग की शैक्षणिक सूची में चुनाव नहीं होने के कारण चुनाव नहीं होगा. 2018 से छात्र संसद का चुनाव बंद है. शैक्षणिक संस्थानों में चुनाव शैक्षणिक माहौल को नष्ट कर देते हैं और सीखने की प्रक्रिया को बाधित करते हैं। यूजी और पीजी के बच्चों का रिजल्ट समय पर जारी नहीं होता है। इसलिए उच्च शिक्षा विभाग ने छात्र संसद चुनाव रोकने का फैसला लिया है. कैंपस कमेटी अभी भी चल रही है.

देश भर मे से 25 युवाओं को संसद भवन में भागीदारी का मिलेगा अवसर

अमृतसर (साहिल बेरी) आजादी के अमृत काल की श्रृंखला में मां भारती के दो वीर सपूतों राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर संसदीय लोकतंत्र शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड) लोकसभा द्वारा एक स्मृति कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसमें देश भर से 25 युवाओं को भागीदारी का अवसर मिलेगा।

जिला युवा अधिकारी आकांक्षा महावरिया ने बताया कि नेहरू युवा केंद्र की ओरसे युवाओं के लिए संसद भवन में अपनी उपस्थित का यह एक बेहतरीन अवसर है। इसी कड़ी में इच्छुक युवा 17 सितंबर तक ऑनलाइन याऑफलाइन माध्यम से अपने आवेदन नेहरू युवा केंद्र अमृतसर कार्यालय, सिवल लाइन पुलिस स्टेशन के पास मे ऑनलाइन या ऑफलाइन माध्यम से 15 सितंबर आवेदन तक कर सकते हैं ,जिला स्तर की प्रतियोगिता के प्रथम विजेता प्रतिभागी को राज्य स्तर पर अपनी प्रतिभागिता दिखाने का मौका मिलेगा।राज्यस्तर से चयनित एक प्रतिभागी राष्ट्रीय स्तर पर आगामी दो अक्तूबर को संसद भवन के केंद्रीय सदन में अपनी उपस्थिति प्रदान करेंगे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का विषय महात्मा गांधी- आज की दुनिया में गांधीवादी विचारों की प्रासंगिकताहै कार्यक्रम मे प्रतिभगिता हेतु प्रतिभागी की आयु दिनांक 01.10.2023 को 18 से 29 वर्ष के मध्य होनी चाहिए, साथ ही साथ इस भाषण प्रतियोगिता हेतु भाषा सिर्फ हिन्दी एवं अंग्रेजी होगी, पूर्व में प्राइड, अपने नेता को जानो, स्मृति कार्यक्रम यह युवा संसद जैसे किसी भी कार्यक्रम में संसद भवन में शिरकत करने वाले युवा इस प्रतियोगिता में भाग नहीं ले सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए नेहरू युवा केंद्र कार्यालय में आकर जानकारी ले सकते हैं।या नेहरू युवा केंद्र अमृतसर कार्यालय के नंबर 0183-2210870 पर प्रातः 10 से साँय 5 तक संपर्क कर सकते है ।

भाजपा को मिल रहा पूर्ण समर्थन : गरासिया

अनूप कुमार शर्मा

भीलवाडा। प्रदेश की भ्रष्ट एवं नकारा कांग्रेस सरकार के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी राजस्थान के चार कोनों से परिवर्तन संकल्प यात्रा निकाल रही है। परिवर्तन यात्रा को जनता का अपार समर्थन और कांग्रेस सरकार के खिलाफ जबरदस्त आक्रोश देखने को मिल रहा है। निश्चित रूप से अब कांग्रेस सरकार की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है यह बात भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं परिवर्तन यात्रा 2 के प्रभारी चुन्नीलाल गरासिया ने सर्किट हाउस में आयोजित पत्रकार वार्ता में कही उन्होंने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस सरकार प्रशासन, कानून व्यवस्था, युवा रोजगार, महिला सुरक्षा, किसान सम्मान, दलित एवं आदिवासी हित सहित सभी मोर्चों पर विफल साबित हुई है। सरकार तुष्टिकरण की नीति पर चल रही है, इसी का नतीजा है कि जयपुर बम ब्लास्ट के आरोपी भी कमजोर पैरवी की वजह से छूट जाते हैं तो उदयपुर

के कन्हैयालाल हत्याकांड का एक आरोपी भी बरी हो जाता है इससे सरकार की अपराधियों के साथ सहानुभूति स्पष्ट नजर आती है। पांच सालों में प्रदेश में कहीं भी सुशासन का प्रमाण नजर नहीं आया, जबकि कुशासन के अनेक उदाहरण देखने को मिल गए उन्होंने प्रदेश में फैले भ्रष्टाचार पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि सचिवालय में करोड़ों रुपयों के साथ सोना मिला, इतिहास में ऐसा कभी देखने को नहीं मिला। जल जीवन मिशन में भी हजारों करोड़ रुपए का घोटाला हुआ। बांसवाड़ा का खान घोटाला भी सबके सामने है। प्रदेश में भाजपा कार्यकर्ताओं पर भी झूठे मुकदमे दर्ज कर उन्हे पार्टी से दूर करने की कोशिश की गई प्रदेश के शिक्षक स्वयं मुख्यमंत्री से कह रहे हैं कि पैसे दिए बिना कोई काम नहीं हो रहा है। प्रदेश में बजरी माफिया हावी है, जिसके चलते नदियों की स्थिति बिगड़ती जा रही है, प्रकृति के साथ खिलवाड़ हो रहा है जिसका परिणाम प्रदेश की जनता को भुगतना पड़ रहा है उन्होंने भीलवाड़ा का जिक्र करते हुए कहा कि अपराधियों में भय पूरी तरह से खत्म हो चुका है जिसका उदाहरण गंगापुर और कोटड़ी में बहन बेटियों के साथ हुई दरिंदगी से स्पष्ट रूप से नजर आता है आम में भय का माहौल है और वह स्वयं को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। आने वाले विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को इसका परिणाम भुगतना पड़ेगा। जबकि दूसरी ओर सशक्त व विकसित राजस्थान का संकल्प लेकर जनता के बीच जाने वाली भारतीय जनता पार्टी को इस बार प्रदेश की जनता का अपार समर्थन मिलेगा और एक बार फिर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगी प्रेसवार्ता के अवसर पर विधायक विट्ठल शंकर अवस्थी, संभाग सहप्रभारी अतरसिंह भड़ाना, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाडा, विधानसभा मीडिया प्रमुख महावीर समदानी सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे ।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने राज्य के सीमावर्ती जिलों में औद्योगीकरण को बढ़ावा देने की घोषणा की

साहिल बेरी

अमृतसर। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने गुरुवार को घोषणा की कि राज्य के सीमावर्ती जिलों में औद्योगीकरण को तेज किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने यहां पहली सरकार-उद्योगपति बैठक के दौरान उद्योगपतियों से चर्चा करते हुए कहा कि राज्य सरकार सीमांत क्षेत्र में उद्योग के समग्र विकास को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है. उन्होंने कहा कि सीमा क्षेत्र में सीमा पहचान प्रक्रिया को सुव्यवस्थित किया जाएगा और प्रक्रिया में आवश्यक बदलाव किए जाएंगे। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इससे राज्य के विकास को, विशेषकर सीमावर्ती क्षेत्र में, बड़े पैमाने पर विकास को बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री भगवंत मान और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में हुई इस बैठक की शुरुआत के मौके पर जम्मू में आतंकी हमले में शहीद हुए पंजाब के कर्नल मनप्रीत सिंह और अन्य जवानों की याद में दो मिनट का मौन रखा गया. और कश्मीर. इसके बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि चुनाव की तैयारी के दौरान उन्होंने उद्योगपतियों को कई गारंटी दी थी. उन्होंने कहा कि अब सरकार बनने के 18 महीने बाद वह विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सरकार की उपलब्धियां बताने आये हैं. भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य में उद्योग की सुविधा के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को खेती के लिए नहरी पानी उपलब्ध कराने की तर्ज पर राज्य सरकार औद्योगिक इकाइयों के लिए भी नहरी पानी का तर्कसंगत उपयोग सुनिश्चित करेगी. भगवंत सिंह मान ने कहा कि उद्योगों के कामकाज को सुव्यवस्थित करने के लिए सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उद्योगपतियों की जरूरतों के अनुरूप उद्योगों के लिए नीतियां बनाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि उद्योग जगत जो भी मांग करेगा, राज्य सरकार उन मांगों को जल्द से जल्द पूरा करेगी. भगवंत सिंह मान ने कहा कि क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देना समय की मांग है। मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि अमृतसर जिले में प्रतिदिन आने वाले तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए एक समर्पित बल बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि लगभग एक लाख तीर्थयात्री प्रतिदिन अमृतसर आते हैं और उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए एक विशेष बल की आवश्यकता है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब पुलिस की इस समर्पित इकाई की एक अलग वर्दी होगी ताकि उन्हें आसानी से पहचाना जा सके।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 98117320959.
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023